



152

152

152



अथर्ववेद

152

ASIA ARCHIVES



यद्यपि गंधर्व राज न॥ प्रवय मय्ये न न क गंधर्व राज मरु आनि सानि यानि नानि॥ अ न का नि किः
 न न राज ग म मरु आनि सानि यानि नानि॥ **न अथ॥** म मय्ये न न कि न न राज न॥ न न कि न न न न
 कि न न राज न॥ सानि मय्ये न न कि न न राज न॥ य द स न न कि न न राज न॥ व क व द न न कि
 न न राज न॥ यथा व कि न न कि न न राज न॥ म गि न न कि न न राज न॥ य ल म द न न कि न नः
 राज न॥ द द वी र्य न न कि न न राज न॥ स र्था ध न न कि न न राज न॥ ल म मय्ये न न कि न न राज न॥
 द म न कि न न राज न॥ प्रवय मय्ये न न का नि कि न न राज ग म मरु आनि सानि यानि नानि॥ अ न का

३

न य न ल न मरु आनि सानि यानि नानि॥ **न अथ॥** निलारु मा ना मा य न॥ म व द ना मा य न॥ म वः
 लु मय्ये ना मा य न॥ विरुषे ना मा य न॥ क लु धा ना मा य न॥ ज म न दि च ना मा य न॥ य नि लु
 ध न का या ना मा य न॥ म नि य लु ना मा य न॥ व ज ना मा य न॥ द वारि म ह्ता ना मा य न॥ य क लु र्था ना
 मा य न॥ न कि न ना मा य न॥ कौ च न माला ना मा य न॥ नी ला ल्य ना मा य न॥ सा ध मा हि x हि म र्वा
 म ह्ता ना मा य न॥ म की ज ना मा य न॥ क र्क ना मा य न॥ म व द म ह्ता ना मा य न॥ क य न
 ध ना ना मा य न॥ द नै द द ना मा य न॥ ल ना ना मा य न॥ प्रवय मय्ये न न का न य न ल न मरु आ

निर्मयानिको नानिः॥ अन्कानि च नागकन्या नानिर्मयानि नानिः॥ ननु धः॥ रुषधना नामः॥
नागकन्याः निजुठाना मनागकन्याः स्वानि मन्ना नाम नागकन्याः ऊयधिया नाम नागकन्याः विद्युत्
वना नाम नागकन्याः विद्युत् नाम नागकन्याः स्वातिगिनिर्नाम नागकन्याः एतयविना नाम नागकन्याः
गकन्याः मदाधिन नाम नागकन्याः एतदादना नाम नागकन्याः ग्रसनी नाम नागकन्याः ऊनाकृत्सग
ना नाम नागकन्याः मरुवधना नाम नागकन्याः विदनी नाम नागकन्याः पादुलमद्या नाम नागकन्याः न
धरि वृठाना मनागकन्याः एतगगना नाम नागकन्याः ऊरु मयविना नाम नागकन्याः मयिलिद्या नाम

नागकन्याः सागवकुकिर्नाम नागकन्याः ऊगु मन्ना नाम नागकन्याः धर्मयी नाम नागकन्याः मयकना नाम
मनागकन्याः वीर्या नाम नागकन्याः सागवगशी नाम नागकन्याः मयिना नाम नागकन्याः एतयमन्ना नाम
नकासि नाम नागकन्याः नानिर्मयानि नानिः॥ अन्कानि च गधवकना नानिर्मयानि नानिः॥ ननु धः॥ वि
यमन्ना नाम गधवकनाः यिर्यदना नाम गधवकनाः ऊदर्गना नाम गधवकनाः वकुणिया नाम गधवकनाः
नाः वकुमाला नाम नागधवकनाः मयलिनी नाम गधवकनाः वनस्थानि नाम गधवकनाः एतयना
मगधवकनाः कृमिलिद्या नाम गधवकनाः लहमाला नाम गधवकनाः इदिनय्या नाम गधवकनाः मरु

किर्नोमगधर्वकन्याः वाजिग्नियानामगधर्वकन्याः द्दहिनानामगधर्वकन्याः समालानामगधर्वकन्याः
 विरुषिगालकात्रानामगधर्वकन्याः अरिन्नमिनानामगधर्वकन्याः धर्मकांकिणीनामगधर्वकन्याः धर्म
 न्दकानामगधर्वकन्याः उदमनानामगधर्वकन्याः गनकात्रानामगधर्वकन्याः यद्राण्यानामगधर्वकन्याः
 न्याः यद्रालम्बनानामगधर्वकन्याः यद्रिष्टमिष्टकात्रानामगधर्वकन्याः विनासप्रमगमिनिनामगधर्वकन्याः
 न्याः पृथिवीचन्द्रानामगधर्वकन्याः दलन्दकानामगधर्वकन्याः सिद्धमिनीनामगधर्वकन्याः रुम्द
 पुण्यानामगधर्वकन्याः मन्त्रमानामगधर्वकन्याः कीर्तदकानामगधर्वकन्याः दवववनानामगधर्वकन्याः

र्वकन्याः क्रान्तियियानामगधर्वकन्याः निर्वानियियानामगधर्वकन्याः नर्गाक्यानामगधर्वकन्याः
 ॐद्वियानियानामगधर्वकन्याः यजायानिन्यासानीनामगधर्वकन्याः मृगवाडिनीनामगधर्वकन्याः
 न्याः सुवन्नानियानामगधर्वकन्याः कलकानियानामगधर्वकन्याः नागमर्केनामगधर्वकन्याः
 द्यवयत्रिमूकानामगधर्वकन्याः मादयत्रिमूकानामगधर्वकन्याः सज्जनयत्रिकात्रानामगधर्वकन्याः
 नत्तयीनानामगधर्वकन्याः उगमनानामगधर्वकन्याः अग्निपुत्रानामगधर्वकन्याः रक्षितमयुक्तानामगधर्वकन्याः
 धर्वकन्याः सूर्यप्रकाशानामगधर्वकन्याः सूर्यप्रकाशमैत्रेयानामगधर्वकन्याः सज्जनानियानामगधर्वकन्याः उक्त

वलिपानाममधर्वकन्या॥ चतुर्थमूल्यानानकानिमधर्वकन्या॥ ललानिमंनियानिगानि॥ ज्ञानकानिमि
त्रवकन्या॥ ललानिमंनियानिगानि॥ ज्ञानकानिमित्रवकन्याः॥ ललानिमंनियानिगानिः॥ नमः॥ मान
सीनामकित्रवकन्या॥ मसौननामकित्रवकन्या॥ तयवगमनामकित्रवकन्या॥ वदवगमनामकित्र
वकन्या॥ जाकोणप्रवानामकित्रवकन्या॥ वगजवानामकित्रवकन्या॥ लक्ष्मिद्वदानामकित्रवकन्या॥
मदुष्टनामकित्रवकन्या॥ उरवलिपानामकित्रवकन्या॥ धातुयियानामकित्रवकन्या॥ कलननपुन
नामकित्रवकन्या॥ मलिपानामकित्रवकन्या॥ वत्तकवकुका नामकित्रवकन्या॥ अवलाकित्रवकि

त्रिनामकित्रवकन्याः॥ कुटीलानामकित्रवकन्याः॥ कयिलानामकित्रवकन्याः॥ वदमकित्रवकित्रव
कन्याः॥ मरुवदनामकित्रवकन्याः॥ विस्मीर्लललाठानामकित्रवकन्याः॥ मऊनयविभावेनानामकि
त्रवकन्याः॥ मदायानिनामकित्रवकन्याः॥ जाकोणवकिना नामकित्रवकन्याः॥ यदनाज्जुनामकित्रव
कन्याः॥ कुजनामकित्रवकन्याः॥ मलिधायिना नामकित्रवकन्याः॥ मलिवाचना नामकित्रवकन्याः॥ वेद
मऊनयविभाविना नामकित्रवकन्याः॥ आयददनामकित्रवकन्याः॥ नथगनकाणयविपालिना नामकि
त्रवकन्याः॥ धर्मधायवित्रुणा नामकित्रवकन्याः॥ नयानामकित्रवकन्याः॥ लक्ष्मिनामकि

ॐ यद्विषः सत्त्वाद्यत्रियावये त्वाद्यननगप्रयविनामिः अथ सर्वनिवदगविस्मृतिवाधिसत्त्वा महासः
 त्वा रुगवत्तमनदवावः रुगवत्तवा सोमदानवकतीचीनयुहायनः कथं रुगवत्तवलाकिमन्ध्र
 वाधिसत्त्वा महासत्त्वा यद्विषमिः यस्याकावययत्तमया मय्या रूमोर्मयुहालिनामकहालीरुगाविः
 सुवात्तकवत्तुवत्तमदृष्टः मय्या नवमहावा सोमदानवकतीचीनयुहायनः कथं रुगवत्तवलाकिमन्ध्र
 नका निमलकाटेनियननगप्रयविनामिः यद्विषमिः यस्याकावययत्तमया मय्या रूमोर्मयुहालिनामकहालीरुगाविः
 वावाउर्द्धगर्हमिदियकययत्तमदृष्टः मय्या नवमहावा सोमदानवकतीचीनयुहायनः कथं रुगवत्तवलाकिमन्ध्र

५

यत्र रुगवत्तमनदवावः रुगवत्तवा सोमदानवकतीचीनयुहायनः कथं रुगवत्तवलाकिमन्ध्र
 वाधिसत्त्वा महासत्त्वा यद्विषमिः यस्याकावययत्तमया मय्या रूमोर्मयुहालिनामकहालीरुगाविः
 सुवात्तकवत्तुवत्तमदृष्टः मय्या नवमहावा सोमदानवकतीचीनयुहायनः कथं रुगवत्तवलाकिमन्ध्र
 नका निमलकाटेनियननगप्रयविनामिः यद्विषमिः यस्याकावययत्तमया मय्या रूमोर्मयुहालिनामकहालीरुगाविः
 वावाउर्द्धगर्हमिदियकययत्तमदृष्टः मय्या नवमहावा सोमदानवकतीचीनयुहायनः कथं रुगवत्तवलाकिमन्ध्र

७

१०

त्रिणायादहं माः अथ न य मया लकाः यत्र या अमि वल रुनि युवा लना मल मदा च क्रान्ति लाद मा
 यद्रुह यन यमा जा न नाय स का ना उय स क मा च न द वा च ॥ य ह व ल द वा जा नी या अ य्रा कं क म
 रु मिः या त्रि की ण किं का ल न सा क म रु मिः या त्रि कि णः य ह व ल द वा जा नि या तु य मं न सि न वी च
 म दान न व क र पु रु नि मि र्क या द ह न मा नी रु वं उ य उ य ग र्क नि का म त्र यी य त्र यः या व यः उ ठ म क थ त्र
 ॥ दि वा लं का त वि रु य न ग नी त्रः य दा स या वि ष ॥ न दा स क ट च क य मा ण नि य द्या नि या द ह ना निः सा
 वि र्व क म्ही वि सृ टि का सा वा मि य दा य वि ष त्रि ना या द ह माः अथ य मा ध र्म ना जा चि ना मा य द क स्य द

व सा र्थ य ल व ॥ अथ त म हं य त ना ना य द द व य त्रा म्पि व त य दा न न ॥ द ह मा म न्र या काः ॥
 अथ वा वा क स वा व न म दा व व व उ य न त्रे ना य ल य नि स्य ह्रीः स त दि वा न च रु मा व व ला क रः
 सु द या ने का य न य म्म नी दृ ण म र्वा अथ स य न व वा वी चो म दान न व क वा व ला क रु न मि त्र वा वी चो म
 दान न व क उ व ला कि नं य र्वा धि स त्वं म दा स र्व य म्म निः अथ स य मा ना जा य ना व ला कि नं य ना वा
 धि स त्वा म दा स त्वः न ना य सी का रु उ य मं क म्म रु ग व न ॥ या र्दो मि च सा रु व च म्म रु वि ण व न र्वा क
 उ मा त्र दृ ष न म लु व ला कि नं य ना यः म हं य ना यः य द्रि य या यः व त दा यः व र्म क ना यः य थि वी

५७

११

वलावनकनायः ॥ ज्ञानमनकनायः ॥ ज्ञानमदमरुजायः ॥ कोटिमनसदमननायः ॥ कादनाग
 वायः ॥ वदवाभयययकायः ॥ धर्मपियायः ॥ सर्वमत्तयविभाकलकनायः ॥ कर्ममकवमस्याम
 नकनायः ॥ हननास्यकमकनायः ॥ प्रियं ददायः ॥ वलपियायः ॥ ज्वीतीसंज्ञाधनकनायः ॥ हानन
 । श्रीममलंकनायः ॥ हानपियायः ॥ सवदवयक्तिनमस्तुनायः ॥ वदनायः ॥ ज्ञानयददायः ॥ वद्या
 नासमानिदलनकनायः ॥ सयवलावनकनायः ॥ धर्मदीयंकनायः ॥ कामदयायः ॥ सवयायः ॥ ग
 धर्वयायः ॥ काकनपर्वनममनयायः ॥ सागवक्रकिगमि वधमायः ॥ यवमार्थयागमनयायायः ॥ स्वद

मृगमंदर्शनकनायः ॥ ज्ञनकसमाधिसनसदमायकिनायः ॥ ज्ञरिवनिकनायः ॥ विह्विनमनाः
 यः ॥ ज्ञिषियरवायः ॥ दंडनिगठरुयनुसुमार्गयविभाकलकनायः ॥ सर्वज्ञवर्मयकायः ॥ वद
 यविवांसवरुनीयायः ॥ चिन्तामणि वदायः ॥ निर्वीणमार्गयदलनकनायः ॥ पुननगवमस्तु
 दनकनायः ॥ कृग्रहनजगनाकनायः ॥ शोधियविभावनकनायः ॥ नद्योयनद्योनागनाजकृनयः
 यविनायः ॥ ज्ञमाद्यवागममंदर्शनकनायः ॥ ज्ञनकमनुनगावकीर्तयः ॥ वक्रयानिविज्ञापनकनाः
 यः ॥ गिलाकरयंकनायः ॥ यक्रनाकसरुगयुनवनातजाकिनीकृमु ॥ यस्मान्नमनामनकनायः ॥ न

लात्यलनग्राय॥ ग श्री नायः विद्याधियनयः सर्वकु मयविभावनक नायः विविधवाधिसागवप्र
 विनायः समानुक्तमाकमार्गप्रवनायः ज्ञानयविरुवाधिसागवविनायः पुनमाक एक नायः य
 नमानुनजायमसमाधिनगमरामावकीर्णयः ॥ ३ ॥ वयमावाजाविहावनः ॥ ४ ॥ नायहानकृता
 यननयियमावाजारुगवर्ननियदकि। एी कृत्यनने वयका नः ॥ ५ ॥ अथ सर्वनिवन एविष्कृष्टाधि
 सत्तामराम सत्तारुगवर्नमनदवाचः ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ नागगदुन ॥ ८ ॥ वलाकि न नवाधिसत्तामराम सत्ता ॥ ९ ॥
 ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

१२

मालियुवसाहावनिः द गुरु नाकनिहि वसि यनुवदुहिनेः सक सनामनरुयुहवेः वैवेनाद
 लसीत्रेरे ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

७
५

१५

नैश्वरावाधिसत्त्वा मदासत्त्वस्य वत्ताला कधमा जगद्गुणि नस्या गच्छमानस्य दृष्टानि मिह महेदगिर्न
यदा वलाकि नैश्वरावाधिसत्त्वा मदासत्त्वजगद्गुः नदा विविधानि कल्य वृक्षाणि विस्वजि कच यथाः
लिमनर्जजायतः वस्य क वृक्षा धि न मनिः जगै यथा वकि साः यथि वी यः या दहं वं निः नत्र वृक्षा वि
नमना दृष्टम् ॥ विविधानि वर्षाणि यर्गनिः नत्र वृक्षाणि नत्र मनया मक्षा वे र् यमं वला ला यदा दानि
दिया निव जालिय नानि नानि नवा विदा नम मी य म क नत्ता नि या दूर गानि ॥ न अथाः चक्र नत्तं अथ नत्तं
दामि नत्तं मदि नत्तं मी नत्तं गुरु यनि नत्तं या वि द्या यक नत्तं मय नत्ता नि या दूर गानि ॥ इमिः सवर्ण निरुः

सादृष्टम् ॥ यदा वलाकि नैश्वरावाधिसत्त्वा मदासत्त्व ॥ स्या वत्ताला कधमनिः कान् मदा यथि वी य
धिकालं यकं यि नाध अथ नत्तया दिवाधि सत्त्वा मदा सत्त्व गवत्त म न दवा च नः क सानि मि लानि रु ग वत्
॥ रु ग वा नादः ॥ वषक लय ग वलाकि नैश्वरावाधिसत्त्वा मदा सत्त्वजगद्गुनिः नस्या गच्छमानस्य
दृष्टानि मिह या दूरु नः यदा च ननि नदा मना व मा वि य प्र वर्षाणि यर्गनिः नदा वलाकि नैश्वरावाधिसत्त्वा
मदा सत्त्वः मरु अय गालिय दानि सवर्ण दृष्टानि गृहीत्वा य नरु ग वी म ना य सं क म्भ र ग व नः या दो निः
न सा हि वं य रु ग व नः य द्वा न्य ना म यानि स्यं मानि नरु ग व न्ना मि नाह न तथा ग न न या दि नानि ॥ यृ च्छं

अ
२

१७

ह्यल्लं कं कं वल्लं घृत्वा नगी वयं विहा नगी वन नारु गवता यद्यानि गृह्णन् वामया ल्यल्लायि ना निः ॥ नः
दावला कि न न्य न स्या वा धि स त्वस्य मदा स त्वस्य गुण ह्य व नी क व न ॥ की दुर्ला त्वया इ वला कि न न्य वः
कर्म ह्य मि नि द्या दि नाः पु न म वी चो उ य य न्न व काल म्मा य य न्न व र्मा न वा य य न्न व र्मा ह्य ह्य य न्न व न्न म
दा न्न व क इ मि य ट मदा न्न व क नी ना द क मदा न्न व क व म्मा न्न व क वृ थ स त्वा उ य य न्न व र्मा च कर्म
माः ॥ स त्व य वि या का म क र्त्त वः ॥ कृत्वा वा न्न नार्था र्थ म्मा क्त्त वा ल्यो य नि द्या य नि द्याः ॥ अथा वला कि न न्य न
वा धि स त्वा मदा स त्वः ॥ पु म न्न द्या ह्य न्न क र्त्त ग व नः ॥ या दो नि न सारि व न्न य च का न्न पु का न्न पु क मिः ॥

त्वा कल न मि वा मि यि द्यु मा का ला इ न्ना र्दि नः ॥ अथा न्न त्वा दि वा धि स त्वा मदा स त्वा रु ग व न्न म न्न द वा
नः ॥ पु न्न म्मा र्त्त ग व र्त्त पु न्न द्या क व न्न म्मा द न्न म वला कि न न्य न स्या वा धि स त्वस्य मदा स त्वस्य पु न्न र्त्त
को न्न की दुर्ला ॥ रु ग वा ना दः ॥ नृ न्न कल पु न्न नि द्ये न्या मि ऊ स्या वला कि न न्य न स्या वा धि स त्वस्य म
दा स त्वस्य पु न्न र्त्त र्त्त ग व यि उ न्न र्त्त ॥ न यथा ॥ यथा गं ग न दी वा ल्का य मा रु थ ग ना ऊ र्त्त
स म्मा र्त्त व द्या दि द्यो क ल्यं ची व न्ना ये द्यु या रु न्न य ना स न्न न्न य प र्त्त व र्त्त य वि द्या न्न व र्त्त य वि द्या ना
व न्ति ॥ य व न्न र्त्त ग न्ना ना पु न्न र्त्त य म्मा र्त्त न्न वला कि न न्य न स्या वा धि स त्वस्य मदा स त्वस्य पुः ॥

७७

१८

कवागवयुधसंघं **नयथा** यिनामकलयुगुहादणमासिकनसमस्तत्रलवउमदादीयकः
 नागेदिवादेवावेयानेः **नयथा** मकेकंविचंगलीयितुं नउकलयुगावलाकिगन्धवस्यवाधिसत्वस्यम
 दासत्वस्यसकंमयायुधसुस्रावंगलीयितुं **नयथा** यिनामकलयुगुमहासमुद्रयुतवलीनित्याऊनस
 दशालिगमसीर्यमयमयावयुलानवउवास्तवययनमया **नयथा** मकेकंविचंगलीयितुं नउकलयुगावः
 लाकिगन्धवस्यवाधिसत्वस्यमदासत्वस्य **नयथा** मकेकंविचंगलीयितुं **नयथा** यिनामकलयुगुवउमदादी
 यकवउवादकाः सिंदवाद्युपक्रमवकुमृगादिगदकाः यणवादिनाइश्वमदिवासाजवकादयः **नयथा** यिनाम

वेष्टामकेकंममगलीयितुं **नयथा** यिनामकलयुगावलाकिगन्धवस्यवाधिसत्वस्यमदासत्वस्य **नयथा** मकेकंविचंगलीयितुं
 सस्रावंगलीयितुं **नयथा** यिनामकलयुगुयनमानूत्रजायमासुथागनाउरुनः सस्रावंगलीयितुं **नयथा** यिनामकलयुगुयनमानूत्रजायमासुथागनाउरुनः
 तत्वस्यवहस्यस्यस्यकावयदकादिनधात्वावलायनंकर्मागन्धवस्यवाधिसत्वस्यमदासत्वस्य **नयथा** मकेकंविचंगलीयितुं
 यितुं **नयथा** यिनामकलयुगावलाकिगन्धवस्यवाधिसत्वस्यमदासत्वस्य **नयथा** मकेकंविचंगलीयितुं **नयथा** यिनामकलयुगुयनमानूत्रजायमासुथागनाउरुनः
 कंलयुगुयनमानूत्रजायमासुथागनाउरुनः **नयथा** यिनामकलयुगावलाकिगन्धवस्यवाधिसत्वस्यमदासत्वस्य **नयथा** मकेकंविचंगलीयितुं
 दासत्वस्ययधसंघंगलीयितुं **नयथा** यिनामकलयुगुवउमदादीयकजीयववदावकयाविकासः

ध
दि

आनिकययानिः मवद्यकाववछादणनथागनाउ य संक मनिः आन्ध्रसयानिः माहिषीस्त्रयाकुल
कृत्याकाववु बुद्धमदायानसुगवतवाजं गुर्गाविद्विधसुवाधि मार्गः सक्रीकृतं सुखावनी लाकध
उगममायाविद्विधं कुरु सुद्धीकृतं दिद्युमालीकगुलप्रदा ममीदृणनस्थानिमिलं मवद्यकावसम
ययविद्याके नमवसुखावनी मुनूगच्छतिः उर्वसुनलयावियुनिविनिषावलाकिनस्थवाधि सत्वाः
महासत्वा निर्विद्यमि मयदमयानिः ॥ सुनामी ॥ अथ नलयाविद्याधि सत्वा महासत्वा रुगवकः यादो
मि नसाहेवद्य ननेवयकाः ॥ नयथानिक आविश्वरुर्नाम नथागनाइ दे सयाकृच्छाविद्याववद्य संयः

२२

नः सुगमालाकादिद नलनः यत्रुमदमसावधिः ॥ सा देवा नां वमनूया नां वदूछा रुग वीरु नकालनमन
समयनाई सर्वनिववद्यविर्कृति कान्तिवादी नाममधि नरुर्वनिविगदकाने वकर्वरु सनवासी जमन
कावववपृथिवीयुदणनदाकाल समयनथा गनस्य सकासा दवलाकिनस्थवसाधि सत्वा महासत्वाः
गुणरुवनागुणाः यदुनकाक नमय्याहर्मि गता अथा मूखा नां सत्वा नां धर्म दणयानिः आर्या धीमेकम
ग मयदमयानिः ॥ ननका ॥ नमय्याहर्मि गता अथा मूखा नां सत्वा नां धर्म दणयानिः आर्या धीमेकम
निर्माणिः नवा मयलाकिनस्थवाधि सत्वा महासत्वा धर्म दणयानिः ॥ गृह्य उरुवकाइरि मूर्धधर्मयया

कानां यत्र यादृशं कानां ज्ञानं वदन्त्यहं नानां मृदु ममानसानीं ससावदः श्वार्त्ता नाना नरवः
 ज्ञानाथानीं मातायेतुल्ययदासाकं वधनवदानीं मागम्यदन्तया मयथायिनामकलपयन्त्यथाः
 गनस्यादन्तः सम्यक् वदन्त्ययिद्युयात्र मन्त्रययदन्ति नाना मिदं यत्कथं पुत्रा क्रामिः मयथा
 यिनामकलपयन्त्यदन्तगं नदिवालकाय मा मत्सु कृपायाधिसत्त्वाह वयस्कं वेकल्लान्धवयस्य
 दिव्यं कल्पं सर्वस्वयथा नेत्रयस्मिन्नाह वयथाधिसत्त्वा नगकं वदन्ति यत्कथं मयथायिर्तुया
 यवाहमकाकी ज्ञानं नरवन्निदं नाना मिदं यथायिनामकलपयन्त्यमया मदा समदस्येकैकविः

थ
 क

२५

दंगलायिर्तुं ननु कलपयन्त्यकन मयायिद्युयात्र स्यात्कथं मयथायिर्तुं नयथायिनामकलपयन्त्य
 उर्मदादीयकलाकथानो मयायुत्र वदन्त्यकदात्रिकादिहेः मयैकविक्मो ननु यत्कलाह वयस्कं नवतु
 मदादीयनान्यं कथिंका वदन्त्यकं वलं सर्वया कलावका प्रकाशं नागना ज्ञाना वयथा नो मन्त्रययदन्ति
 नमस्ययानि मयथायिर्तुं ननु यदीयमन्त्रं कथं ननु सर्वमन्त्रियत्र वदन्त्यकं दाविकाः नकटेर्त्तं मयैकविटके
 यैर्गर्गिर्गदं यदिदिः ननु नालं दयित्वा नाना मयायुत्र नालि मन्त्रकथा इति गर्गिर्गदं यदिदिर्मदयित्वा मः
 सार्त्तं नाना निव्यादयित्वा ननु मयायुत्र कलपयन्त्यकं कलपयन्त्यकं मयायिद्युयात्र

यु
यु

यावनकादि स मा ग नः न स्य म मो ली कु ल ल ग द्या मा नि व त र न नानि ह स्य न यथा नि व त क वा वि
गानि वा म न यु ल वि गानि मू का दा ना नि मि मू का ठ ला नि यु नि कु ना नि मू का जं गु लि सो व र्णु च दि
का नू या नि व द्वा म नू म ना य मा न्म अ न्ना व क यि ला न न स द र्भ नू या य दा नि सो व र्णु गं गा नि मू का
जा न यु नि कु ना न्य द्य या न स मा यु र्क ना दृ ण क यि ला अ न्ना व क मा नी न न स द र्भ य न म गुरु य क ले न
या स म न्न ग ना य न म स्या अ न स मि व य नि स्या द्वि ना दि द्या लं का न वि रु मि ना मो ली कु ल ल ग द्या मा
य नि क्र य का क यु न क न क नू य न का ठि म न्न ला ह स्या र्क नी य क र्णु य द्या र्क नी य वा मा यु क स मा यु काः

अ नू म ना य मा ग ना ना वं ग य न क व म्भ या वृ त्ताः अ न्ना नि व न त था ० न न स द आ दिः अ न का नि स व
र्णु ना गी नि स्त्र यि ना नि व म्भ ह न नानि स्त्र यि ना नि ग कू ल ग ना नि म्भ या ल क स मा यु का नि स ड्डी कू ना नि
ः अ न का नि न्या न या न न ना नि दि द्या न न स न मा अ य ता न्ना दा ना नि स ड्डी कू ना नि अ न का नि सो व र्णु नू या म या
नि सें द्रा स ना नि व त स मू का नि दि द्या नि वा म ना थि या न द न त य नि व वि ना नि अ न का नि स व र्णु म या नि मो
नि कु ल स द आ मि न ता य वि ना नि स्त्र यि ना नि न मि स म य न आ गी न स द आ दि स नि य के ना नि वा कू ल
न स द र्भ सी नि य नि गं अ न का नि कृ मि न न स द आ नि स नि य नि ग नि न दा रं वि स्र य मा य न्ना मि रि वा न म

ध
उ

२८

वा मृताः न कथयन्तिः जीवा माह ग व र म म दा वी र्थ द सर्वा वि ना नि द्वा ना वि रु म्मा नि पा व ला मः
गुह्या नि य म्मा नि स र्वे ना जा ना व ध न व द्वा नि द्वा ना ना य द म्मा स द्वा य न स्या वं चि न्म यानिः अथ वा व
लि व स व द्वा मृ नः अथ वा य न न यि म न द का ल सं प्रा काः अथ न क थ यानिः व न म म्मा र्क सं गृ ह्
मो म न र्ण न उ व ध न व द्वा ना का लै क्वा मः य द्वा व ध न व द्वा ना का लै क्वा मः न द्वा कृ त्रि य ध र्म मः
स्मा र्क वि न म्मा नः य द्वा सं ग्रा म र्मो का लै क्वा म र्म द्वा स र्ग व र्थ र्वा मः अथ न स र्वे म दा ना जा नः स
स्व क स्व र्क गृ दं ग नाः म दा र्वा वि न म्मा वि स मा न ध न थ या ग्मा न्म म्मा नि स्व क स्व का नि स द्वा क्वा न्ति न

ध
उ

दा द ग न थ द्वा ग वा म न क न्थ म हि नि र्मा य मृ ग्मा जि ना रु नी य व द्वा द द्वा म्म य गृ म्म या ० का म्म य गृ
क्र सं य स्मि नं म र्म का ग द्वा व मा ग नः द्वा न या र्थे न व द्वा मा यु वि न्म वा म न क व द्वा नः के से थ यानिः द
ना द र्म मा ग नः अथ स द्वा न या न व न द वा च र्वा वा म्म ग क न मा या र्थे म्म ले मा ग नः स क थ यानिः च द्वा
दी या द र्म मा ग नः अथ स द्वा न या न य र्म मा ग ता व लि मा या च यानिः द व ज्ज ग न र्म द्वा म न क व द्वा नः
अथ व लि व स व द्वा न द वा च र्वा को दृ र्ण व म्म या च नः द व न न जा ना मिः अथ व लि व स व द्वा न द वा
च र्म मा ग न्म उ र्वा उ र्वा नी य नी य नां वा म्म नः अथ स द्वा न या ल व न द वा च र्वा यु वि न्म म दा वा म्म नः स

यविषः नलपी० मनुयुदलं। सचनगुयाध्या यन्त्याग्यायन। अथशुकसुमनदवाचत्॥ ३४ काल
 यत्रुषः यविषः अथशुचविद्यानं कविद्यानिः कथं जानसुहगवत्तजानाश्रुनं नसोनिमिलानि
 चिकानिः॥ किंउ यायंक त्राश्रुदं अथनायायद नविचिंतावर्णनं विप्रति सात्रिहविद्यानि। ननकस्य
 मयसवसगीनास्माः नदा सकथयानि॥ अगच्छवाक्कलीदृग्नक्षरिप्रायी सप्रविशुम्रा **मदवाचत्**
 ॥ द्वयदयावा मिह यदि मदावाक्कदादयदं यावत्समयाग्रीनेयदानानुषदलानिः पुनिगदं नस्मा
 यगृहस्तरि कावमवाचनिलयानि यं सवर्गुसादिनां ननक्षनवासनकत्रयमनद्धायिनं अथशुकः ॥

२५

मदवाचत्॥ राजसमहकपिनं मयाकालयत्रुषवमः यविषः नवमयुमाधीकृर्नं नसेनकर्मरुलमनु
 रुवः ननात्मानं मदायुमाधीकृर्न वस्यचन्द्रादिलोर्कं अवावसिनीगृहीतासायिगदावकुधनूस्माभव
 हिलुपालदस्माः अथवलि वमन्तु ॥ ३५ मय्ययाने नः॥ स्मृतिप्रवृत्तयनायमाद्यः स्मिः किंकृर्नं मया
 सारुक्षनविषरुक्ताः यदद्वयं यविषुगुनेययदं नसंविद्यनः नदा सकथयानि॥ नृमीयं नसंविद्यनः॥
 यत्प्रतिगुदं याचिनं ननकीदृग्नमयायंक त्राश्रुदं अथनायायदमनदवाचत् ॥ संहं संहं॥ यगदं स्ताव
 यामितनलयास्मानवाः अथवलि नसुत्रनुप्रनदवाचत्॥ यादृग्नल्लयारुक्तादृग्नं कत्राश्रुदं सकथयानिः सत्यं सत्यं

३०॥ सत्यं सत्यं क न सत्यं सत्यं न सत्यं या ए न वदः सा च य ह ह मिति ना शि गानि यः रा गु नि उ च्छि नानि कृ
 नानि नानि कृ मा नि काः या पु वेः को व वे वि धं सि ना नानि मो व पु म या नि सिं हा स ना ने दि का नि कृ ना नि गः
 न्या न दानि रत्न य नि ठा षे ना नि ना नि व मु ह व दानि सू व पु क ठ का नि रत्न मू य ना मि ना निः ना ना य
 क पि ला दी नि को व वे वि धं सि ना नि सा च य ह ह मिति ना सि नाः ज्य वं वि लि व सू व द्यः ग नी व चि त्रा माः ३०
 य द दा ना व लि व द्या व य ह या ग स्म का ल दा न द ह स व द्य न म व ल छं ॥ न मा मु द वा य य थे व क र्त्त र ना
 ला या ना ल उ य स्म पि नाः ॥ नः य नः स य नि वा न दः आ ग्या नं दि म या ह न य र्व कृ ल य न कृ कृ ण म या दा

नंद हं ॥ ना ना ह वा दि पु ह य म द स्मा य य म मि या य स म ल कृ ना यः ऊ ठा म क ठ ध ना यः सर्व ह नि व सि
 कृ ना यः व रु स त्वा म्वा स न क ना यः दी न दी ना न क म्वा यः दि वा क वा क न व न ला व न क ना यः पृ थि
 वी व न ला व न क ना यः हे ष क ना जा यः उ ल म पु द स त्वा यः य न म या ग म नू या का यः मा कृ पु व ना यः वि
 ना म लि स दृ ग्म यः ध र्म ग उ य नि या ल न क ना यः म द्या व मि ना नि र्द न न क ना यः ॥ ०० दं स्म नं म या कृ
 न म व ला कि नं थ न स वा धि स त्व स्य म हा स त्व स्य स ग्नि ना र्क स त्वा य न व ना म म नू स्म वा ने म व नि न का
 ल सृ ण नो न व द्वा वी च य य न वृ ष न न ग ना य य न वृ ष न व ना म म नू स्म वा ने म व नि न व द्वा न व या य दः ॥

त्मन्वनासु सत्ता यनवनाममन्त्रावन्ति। गच्छन्ति न सुखावन्ति लाकथा उज्ज्वला मेगाहस्यनयनस्य धर्म
 मन्त्रावन्तिः अथावलाकिन न्यनावाधिसत्ता मदासत्तावलि न सन्तु स्यादकन नैव मन्त्रावन्तिः
 हविष्यासिर्त्तु मन्त्रावन्ति नानामगनाः सन्तु स्यादकन नैव मन्त्रावन्तिः सुगमालाकाविदन्तुः
 नः यत्र सदा मन्त्रावन्तिः नानामगनाः सन्तु स्यादकन नैव मन्त्रावन्तिः सुगमालाकाविदन्तुः
 मन्त्रावन्तिः नानामगनाः सन्तु स्यादकन नैव मन्त्रावन्तिः सुगमालाकाविदन्तुः
 नानामगनाः सन्तु स्यादकन नैव मन्त्रावन्तिः सुगमालाकाविदन्तुः
 नानामगनाः सन्तु स्यादकन नैव मन्त्रावन्तिः सुगमालाकाविदन्तुः

त्मन्वनासु सत्ता यनवनाममन्त्रावन्ति। गच्छन्ति न सुखावन्ति लाकथा उज्ज्वला मेगाहस्यनयनस्य धर्म
 मन्त्रावन्तिः अथावलाकिन न्यनावाधिसत्ता मदासत्तावलि न सन्तु स्यादकन नैव मन्त्रावन्तिः
 हविष्यासिर्त्तु मन्त्रावन्ति नानामगनाः सन्तु स्यादकन नैव मन्त्रावन्तिः सुगमालाकाविदन्तुः
 नः यत्र सदा मन्त्रावन्तिः नानामगनाः सन्तु स्यादकन नैव मन्त्रावन्तिः सुगमालाकाविदन्तुः
 मन्त्रावन्तिः नानामगनाः सन्तु स्यादकन नैव मन्त्रावन्तिः सुगमालाकाविदन्तुः
 नानामगनाः सन्तु स्यादकन नैव मन्त्रावन्तिः सुगमालाकाविदन्तुः
 नानामगनाः सन्तु स्यादकन नैव मन्त्रावन्तिः सुगमालाकाविदन्तुः
 नानामगनाः सन्तु स्यादकन नैव मन्त्रावन्तिः सुगमालाकाविदन्तुः

ल
दि

सुयमयावपुत्रैः पाह्यैः वदानीयक त्वेति तत्त्वैर्नकु वधा नापायेन मदायथ न वीयादानेविभीर्यन
उक्तिप्रयादो अया दहवगः अनेकैः काकगृध्रकूर्क वगृमादिहिरुक्तमहंतां नावकिर्यं वदनाय
त्यनुरवन्ति ननं कु वधा नापायेनासदायथादवनीयषा उगं गुलक लुका उकेकया दययै गी गोययै
नानियविगन्तिः सवाक दगिके मयायाय वन न सत्वेन कर्मकर्ण ज्यय मया लकाः पूत्र्या उवमाद्र
ः समासा नत्वा नथागन स्यायेतु यावन्ति र्नीति न नत्वा यधर्मगार्हि आकाट माना न्मः नत्वा कुविद्वाना
नि दीयमाना नान्मादिगानिः नत्वा काञ्चिद्युदहा सुयविमानियुक् दकिणीकृगानिः सकथयति ॥ ३५ ॥

३२

दाहवयाय नगावद्धधर्मै मेद्यवाहिन धानकथयति नस्ये ननकर्मरुल मन्त्रवः सनेर्यमया लेनीयन
मस्य नाहः पूनगानीता उयनामयतिः गच्छु उह गवन्ता कर्मरुमी मयदनीयलुः ज्यय नय मया लय पूत्र्या
नीत्वा कोलसूत मदान नकदियान्ति कि द्वा च उकं नकि ननं कायावेन चानि नदयिजी वानि डिनी र्यन
कि ननं कायावेन चानि नदयिजी वानि नृनी र्यन कि ननं कायावेन चानि नदयिजी वानिः यदा कालं नकु
वानि नदा अग्निमवदा मश्ना कि यानि नदयि कालं नकु वानिः ननमर्षा नयाना गुज अग्निविष्क मनेदके
नजा मयिदना निविगीयन नाल्मायि सुठानि कलु मयि हृदय मयि ज्जु मयि वल्कानि गुज गुज यमाना

दा नाज न किं चिद्वा ना ह व निभय वला के व नार्दि मदा नाज न य त न य न्यं क रु व्वां न व म न्ना मि कां धर्म द
 ना नां कृत्वाः अथा वला कि न्ध न्वा धि सत्त्वा मदा सत्त्वा न म न द वा च र्णा ग मिष्ठा म्दं मदा ना जा सि न्न व
 ज न व न मदा विदा व इय मदा सी निया दा रु व नि। न ना इ व ला कि न्ध न्वा धि सत्त्वा न मदा सत्त्वा न नां मि य
 उत्सु वा ना लयी त ला दि ना व दा न स्फुटि क व ज न व र्णु गत्वा वा धि श्व रु व रु था ग न स्या य व ना वा व लि नाः नः ३५
 दा न द वाः ना गः य काः ना रु साः ग ध र्ताः ग व जः के न नाः मदा न गः म नू या ज्म नू याः सी निया नि नाः ज्म
 न का नि वा धि सत्त्वा नानि सी निया नि ना नि। अथ न्वा धि सत्त्वा नां म ध ग ग न्ना वि दा न दि वा नि य्वा वा

वा नि व वा निः दि वा नि क ल्य वृ का वि य न म ह्म न्ना निः ज्म न का न्ना लं का न यु लं वि ना नि म वि म्का दा न
 न न स रु आ वि पु र्ण वि ना नि का नि व म्भु य ल मि ना नि म्भु य म य ल मि ना नि ला दि न द धु नि स व र्णु नू य य
 वा नि ज्म न का नि पू षा वृ का ध न का नि का व य्वा विः। अथ ग ग व ग ज्म वा धि सत्त्वा मदा सत्त्वा रु ग व नः
 म न वा दे व र्णा ना ग रु नि रु ग व न्न व ला कि न्ध न्वा धि सत्त्वा मदा सत्त्वा रु ग वा ना रु। च व कृ ल यः
 न न ना व ल न म्भु य रु व ना निः क्म न्ना म्भु य नां रु मि न्ना ग रु नि। ज्म नू या व व न्ना धि वा य द र्ण न
 व व द्वा दि वा नि य्वा य नः व न दा ना म वि ना म वि न र्ण स या र्णे वे र्म क्म न्ना ज्म न का नि व य क न म रु आ वि

ले
६

नस्मिदीययनिवसनिः॥ अथावलाकिं न न्य नसा वाधि सत्वस्य मदासत्वस्य यूनसा द्वावनिः॥ धावयि
त्वायादयानि यननिः॥ अन्तःक्रान्तःवि नका न गत मसां न माधका नरु मोविद्वनामि॥ सकथयानिः
अनका निमया सत्वयानि पा नका नि कृ तानिः॥ सने यक्र ना क्रसे नी त्वादि व्यमो तर्गु नत्व मया र्मि दा स न
विद्यानः॥ न न स्रवी यक्र ना क्र सा ना धर्म द न यानि स्याः॥ गृध्र लुह व न ज्ञार्यका नृ बुद्ध मत्त वा न वत्त
वाजस्य वरुणादिका माये गार्था यग्न आनिः॥ धावयि स्यानिः॥ वावयि स्यानिः॥ ययवा स्यानि यानि गृध्र मनासि
कनि स्यानिः॥ न स्यामिदं पृथक् संघं संघाद नारु वा निः॥ न अथाः॥ पिनाम कल यत्त न कं मया य न मा गृ न ज सं य

३७

सा न मूदु उ न उ कल यत्त न कं मया काल एव द मदा यान मृग वत्त नाजस्य यत्त संघं गृध्रिये उं॥ न अ
थायिनाम कल यत्त न कं मया मदा स मूद स्य उ कं का व नृ गृध्रिये उं न उ कल यत्त न कं मया का नृ
बुद्ध मदा यान मृग वत्त नाजस्य वरुणादिका था याः॥ यत्त संघं गृध्रिये उं॥ न अथाः॥ पिनाम कल यः
वृद्धा द न गं मा ना दी वाल काय मा स था ग ना ज रू तः॥ स म्भ क सं व द्वा द न कल्या न कल्या न धा न य यः
ग्री व न यि ए यान ग य ना स न रू न य य रू व य यानि स्का नेः॥ स व न था ग नाः॥ यत्त संघं गृध्रिये उं न
न कृ वानिः॥ पा ग वा रू उ का किं न माधका नरु मोविद्वनामि॥ न अथायिनाम कल यत्त न कं मदा द्वा द्वीय क य उ कं

五

३६

[illegible]

३७

गतात्रेदेवविदुः न ह्यमाना न कश्चिद्वत् न मय गच्छः अस्मिन्नवनमाश्रका नदिद्यानि सवर्गु मयानि मया
निकर्मः सवर्गु मयानि चंक माधिकर्मः अथावलाकि न ग्ध नावाधिसत्वा मदा सत्वका न नदवाच १४१ अ
नका मया सत्वा वाधि मार्गानिया अयिन वाः अथ यक्र नाक्र साः क चकथा नंदत्वा यिका य नावाधिसत्वाः नः
यन सानमवमा १४१ गमिष्यामि यथा कं अतलाकि न ग्ध नावाधिसत्वा मदा सत्वः सयुक्ति नः अथ न यक्र नाक्र सा
नदक्रः युक् नः युक् नः गच्छतिः अथावलाकि न ग्ध नावाधिसत्वा मदा सत्वका न नदवाच १४१ यानि निवर्तयः यः
यंदन न उवा मताः अथ न यक्र नाक्र सा अतलाकि न ग्ध नावाधिसत्वा मदा सत्वा ठलनि वाग्नि यि युक् नः का १४१ नः

दिन भगमादवरुवनंगत्वा गुहावागका नांदवयुगा नां सका सम्य संक्रान्तः उय संक्र मावा क्र न नय मास्त्र
स्त्राय नुद वानिका य सकृ दुला नामदवयुगा दः श्विनः अथावलाकि न ग्ध नावाधिसत्वा मदा सत्वका न नदवाच
क्र न नय मास्त्र दवयुगा सा सका ल मय संक्रान्तः उय संक्र म नदवाच ॥ वृहद्विना इदं नृधि न ल्यनिः अथ
सदवयुगु वनदवाच ॥ न मवा क्र दार्क चित्ता विना आरु ॥ अत एव मे त्वया किं हि दा न वी ॥ अथ सदव
युगा विमानं यु वि न्य स्त्र लु पु नि प्रत्यवा के उ मा न द्यः ॥ दि वी र्म दा देः न त्वै लु पु नि पा व य द्मु नि ज न्याः
नि च लु पु नि दि द्य न स न सा अथ न ना दार्थः यानि य द्मु निः वा म या ल्ये वि मान स्य व म्भु न र्गः यानि यः

नवनाकसीवृत्तिचक्रयामशानादुर्गागिरिः संवनमयगृहीताः अथावलाकिनग्न्यावाधिसत्तामदासत्त
 सिंदूरदीयादवनिर्यवात्रागसांमदानगर्यामर्चात्रयभावस्तानगनः नगानकानिकुमिकलगतसदमाः
 गियनिवसन्तिः नग्रावलाकिनग्न्यावाधिसत्तामदासत्तउयसंकमनदातमनत्रयमालिनिर्मयचनचुः
 नायमानप्रवणवृत्तिनेत्यात्रमालिस्मः नमाधुमायः नमः संध्यायः ॐ नैकशानिः नचयादकान
 भावद्वयः नमः धर्मायः नमः संध्याय ॐ नैनामध्वयमनस्मनाः नैर्वैगानिगिज्वरसमहर्गसत्तायदुषि
 शनहानवउवाहिलासर्वनसुखावर्था लोकधनाव्ययनाः सुगन्धमूल्यानामवाधिसत्ताउययनाः नदास

त्रयानिपाकंकुधानावातानानगर्गः यदा नः नदामगधारे मूर्ध्वयुग्मगच्छानिः मगधविषयमप्र
 न्यायः अर्थावलीसत्ताचग्नानिः यत्रस्यत्रआर्ग्यरुद्रयानिः विंगानेवर्षागियानियुर्गुनिका नानस्ययानिव
 त्रस्यः अथावलाकिनग्न्यावाधिसत्तामदासत्तायिका मायदः कनायायनार्दमत्तामनर्ययर्था अथावला
 किनग्न्यावाधिसत्तामदासत्ताविवेधानेवर्षागियवर्षेउनात्रयुगयथममृदकवर्षयथाउदकनमन
 र्गिगारुवनिगदायध्यादेवानिथिषुकानिदिवात्रसत्रसाग्नयननादात्रययानियुर्गुनियनानिः यदाहान
 दसन्नर्यगारुवनिः नदाध्यावर्षयननिः चानिचानिलगुलकालकृत्स्नादिधानानियनानिः यदा

५५

यदा न वां सदा ना मरुया या रुवा निः न दान दान वां मरुया या रु न सिधा निः अथ न मा गधाः सदा ये
स्रय मा यत्रा स च सर्वत्र कला ना विष्णु काः यि मि त्वा य न स्य न म व मा रुः क स्रय व स्या यं प हा वः
न न स्र वां य न्वा नां मं म ध्वा जी रु वृद्धा म रु ल कः क रुः म यान सी व रुः अ न क व र्वा न न स नै द स्र य
वि प्र जा याः स न वां क थ या नि ॥ न य म्मा क म न्ना द व स्र दृ गः यु हा वा रु वा नि अ वि ना दि ना इ व लो कि ने थ ५
न स्र वां धि स त्व स्र म हा स त्व स्रः न न स्राः य र्व दः यु रु नि ॥ की दृ लं न स्रा व लो कि ने थ न स्र म हा स त्व स्र
गु न सं ला वि डु मा न युः अ न्नां दी य रु नः स र्य सं ना य द म्ना न्नां रुं रु रु नः रु वि ना नां न दी रु नः रुः

५५

यही ना ना म रु यं द दः वा धि य नि यी डे ना नां वे य रु नः दः वि ना नां स त्वा ना ना ना यि रु रु नः अ वीः
यु य य त्रा नां स त्वा नां नि र्वा ण य द र्ग कः ॥ ० ॥ दृ णा रु ग व न स्र गु ना वि ल णाः स्र वि ना स्र स त्वा ला के
य न स्र ना म ध य म न्ना ना निः न य म्नि म स्रां सा नि के दः र्व य नि व र्ज या निः स च न ना रु य न्वाः य
म र्य ग ला य इ व लो कि ने थ न स्र वा धि स त्व स्र म हा स त्व स्र स न न य नि ग र्द य रु ध र्य नि र्यो न य निः थ
इ व लो कि ने थ न स्र वा धि स त्व स्र म हा स त्व स्र य न ग च ड न म म गु ल कं क वा निः न ना जा ना जा य रुः
व रु व र्दि नः स क न त्व स म न्ना ग ना ॥ न य था अ च रु न त्व रु नि न त्व अ थ न त्व मा नि न त्व म्ना न त्व गृ द म्ना

पानि न त्वं यवि न यक न त्वं दं सक न त्वं ॥ ग्रहि सक हि न त्वे ॥ समे चागता राव नि ॥ यव ला कि न भ त स्य वा धि स त्व
 मदा स त्व स्ये क य स्य म पि नि य न स्य नि न स ग च का या र व नि ॥ य य न य य य न म न ग य नि य न का या च र व नि न न वं स य धा स न
 वि ल यं क न वान ॥ ना य य र्व दः सक स क व र्व न म यु ल र्ना ॥ अथ स जी र्णु य र्व व ज्ञान मि कां ध र्म द न
 नां कृ त्वा स की य ध र्मा नि र्दे ग नं पु त्र र्ना ॥ अथ या व ला कि न न्य ना वा धि स त्वा म दा स त्व र्ना नै वा काः
 हा इ न्ना इ न ॥ अथ स ज्ञा का ग र्ना थि र्ना मा य दः वि न्य र्व व र्ना थ ग ना मा र ल का लं दृ ष ॥ सा इ न्ना र्व
 हा र्ना न व न म दा वि द्वा न म न्ना य कः ॥ अग र्ना र्ना ग व ना दृ ष ॥ अथ व ला कि न न्य ना वा धि स त्वा म दा स त्वा न

५२

ऊ न व नं म दा वि द्वा न म न्ना य वि ष ॥ या व ल य न्ना थ न का नि द व ना ग य र्ना ग धु र्ना स न ग न्ना उ कि न न म
 दा न ग म न्ना म न्ना ग न स द्वा निः ॥ ऊ न का नि च वा धि स त्व न न स द्वा नि मं नि यानि ना नि ॥ अथ
 ग ग ग ग ऊ ना म वा धि स त्वा म दा स त्वा र्ना ग व न म न द वा च र्ना क न मा य र्ना ग व न्ना धि स त्वः स मा ग
 मि थानि ॥ र्ना ग व ना दृ ॥ उ व क ल य न्ना व ला कि न न्य ना वा धि स त्वा म दा स त्व र्ना ग र्ना ॥ अथ ग ग ग
 ऊ ना म वा धि स त्वा म दा स त्व र्ना र्ना व न न्य वा कि न ॥ अथ व ला कि न न्य ना वा धि स त्वा म दा स त्व र्ना ग व
 नां निः पु द कि णी कृ त्वा म या र्ना वि न्ना र्ना ॥ अथ र्ना ग व ना य र्ना नि न्ना र्ना क्ता र्ना क ल य न्ना की दृ ना क म

क
क

उद्युक्ताः अर्यकाः प्रद्युम्नमहायानसूत्रतत्राजस्यप्रथमानिर्युद्धः॥ अथ सर्वविधप्रणवि
कम्भीरुगवत्तमनदवावर्णाज्यानांदिरुगवत्तवलाकिं नष्टप्रस्यवाधिसत्त्वमदासत्त्वसारुनपर्वकन
माः समाधयः समायन्ताः॥ रुगवानादः॥ नद्यथायिकूलकुजाकात्रकत्रानामसमाधिः॥ ऐक्यैकत्रानामस
माधिः॥ वज्राङ्गनामसमाधिः॥ सूर्ययष्टानामसमाधिः॥ विकेनष्टानामसमाधिः॥ कयूत्रानामसमाधिः॥ ५५
धजाङ्गनामसमाधिः॥ जूलकात्रानामसमाधिः॥ दण्डीगवलाकनामसमाधिः॥ चिन्तामणिदलः
लाचनामसमाधिः॥ धर्मराजानामसमाधिः॥ समुद्रावलादनामसमाधिः॥ सूर्यकिंकिरीनामसमाधिः॥

धिः॥ प्रियददानामसमाधिः॥ वज्रधजात्रानामसमाधिः॥ वेङ्कलितानामसमाधिः॥ यूरुङ्गनामसमाधिः॥
॥ जाकात्रकत्रानामसमाधिः॥ असूत्रसंवादनामसमाधिः॥ हवनामसमाधिः॥ निर्वर्णसंवादना
नामसमाधिः॥ मदादीयानामसमाधिः॥ दीयराजानामसमाधिः॥ रुवाकात्रकत्रानामसमाधिः॥ अरु
त्रकत्रानामसमाधिः॥ दवाहिसूत्रानामसमाधिः॥ यागकत्रानामसमाधिः॥ यत्रमार्थसंदाननामस
माधिः॥ विद्यानामसमाधिः॥ नागवृक्षानामसमाधिः॥ सिंहविहङ्गनामसमाधिः॥ अहिमन्त्रानामसमा
धिः॥ जगमनगमनानामसमाधिः॥ वृद्धिविहङ्गनामसमाधिः॥ स्मृतीन्द्रियानामसमाधिः॥ संवादना

क
५

नयमोहिनिमायननः कलसमीयमयसंकात्रानिउत्कार्यगठकानिदत्ताउत्कार्यानिःनवसकीयानि
वम्भाविगृह्णितानिष्ठीतिउमानद्यानिनिष्ठीतिविवागूनस्याल्लनादानिकुमानायदलमदनस्यमक
वृकस्यगलविष्मगाःविष्ममिवायनस्यनसांकथंकुतमानस्यः॥कास्माकमयायःसांविद्यगाःनकथ
यनिः॥नायस्माकमयायस्यस्यनः॥ह्रीं०००सांकथंकुतानृषीरावनववस्मिगाः॥थं॥जुथगात्राकस्य
स्रवांयूनगः॥मिच्छेवमादः॥ज्ज्मामिकोनीस्वामीहवाज्जगत्तिकांनंगत्तिकाहवः॥ज्ज्दोयानांज्ज्दोहवाज्ज्
लयनानालयनारुवः०००मानिनः॥नगृह्णितानिगृह्णितानिउत्तानवमणीयानिपुष्टिनीदीनमणीयानिः॥

५३

हिः॥त्राकमाहित्रकेकंयूनवंगृहीतास्वकस्वकानिवननयत्युक्तनाः॥यावत्तासांत्राकसीनांमध्यावृ
द्धनानयादंस्वकीयानिवननमृ१११यनीयदिव्यनसत्रमायाननादात्रनसंनयिनः॥संनययि
वाकीतिउमालयाः॥मनर्मानुष्यकनसोऽयनसंनयिनाः॥थं॥दिग्निमयदिवसात्रागिकात्री
निः॥सत्रागीमायेनः॥यावत्तानिः॥निकर्तदसंनः॥नदादंविस्मयमायनः॥नकदाचित्स्यात्तयादृष्ट
नृनंवाः॥नयावाहंलिनमवत्रागिकर्तदसंनः॥नदामनस्यत्रागिकत्रस्ययुवादात्रः॥कृत्तिकात्रादं
मनिः॥सकथयानिः॥०००दमिदलदीयानिवासेनीत्राकसीसागवजीवेनाननयकविद्यानिः॥नदाभनः॥

मयद्यादाः कृदः कथं त्वं जानामीति जाकृमीतिः यदि न युनियस न दादक्रिय नूलि कां गृहीत्वा
इति विचरं त्वं गच्छयत्वा यमं नाम न गत्र मूर्धं च य गृहीतं गवाकृता जगति विप्रहीतं य गृहीतं नृणां
न का निवादि कृता नानि रूयित्वा स्त्री नियुक्ति फानिः ॥ अत्र च मृगाः यदि न युनियसि न दा मार्गं ग
च्छः गत्वा वनं मार्गं निरीकृता न दा मृगदा स्यासि न दा स्यासि न माद जाला नामानि दा नृणां ॥ अथ म
वाधि सत्वा नात्रिकाल स मय संयुक्ति नः च द्वा वला संयुक्त गृहीत्वा य गृहा नू विचर न द क्रिय य नू लि कां गृही
त्वा संयुक्ति नः ॥ अत्र य वेदा यमं न गत्रं नृयार्क ॥ समन न यत्रि मनिः नानि च द्वा नादि गवाकृता नि स

मत्र यत्नानि ॥ अथ नृभिः उवा यम न गत्र य मृक वृक सने दा नृकृता मयान वा मृक्ता स नाण दः ॥
कृदः न दादि न गत्रं य नृवा नां गृहीत्वा रूयानिः ॥ रूयित्वा स्त्री नृवे दा यम न गत्रं क्रियानि ॥ न न स
नृयव मात्वा न ॥ न न सदा रं च यक वृका द व नी र्य य नृवे दा नृणां य नू लि कां गृहीत्वा इति विचर नृत्वा नि
नृत्वा नि नृ गच्छा मि नृदा दं य विप्रः ॥ अथ नृनि क न स म न दे वा च ॥ दृष्टा स म दा सार्थ वा दः ॥ उ कं च मया द
यं य य म्मा कं स र्यं सा क र्था कृता ॥ न दा म न स य द्या दा नः कृदः क उ या या इत्या कं ॥ अथ नृनि क न स म न द
वा च ॥ अस्मि द व म दा नृया या य नृया य नृसिं ह ल दी या स्या मे क मा र्था नि र्गच्छा य नृ न व ज मृदी र्य य

३६

ममिः न दामयद्यादा नः कृ नः मार्ग मदर्नयय न मार्ग धर्मि ह न दी यात्रिः स ना मिः अथ न नि क न
म नु द वा च न न सि द वा वा नो द का ना मा नृ ना जा म दी न दी ना नृ कं य कः स व वा ला द का ना मा नृ ना जा
म र्द ह्य ना ना मो य थी र क्का च स व र्ध वा लु का ल ल ज्जा व र्ध य त्रि व र्ध नं कृ त्वा मं ग नी रं य द्वा ट या निः य द्वाः
ठ यि त्वा य द्वा दा नं कृ न न कः या न ग मा मी कः या न ग मा मि कः या न ग मा मे तिः त्र य वं व क र्वां अ दं या न ग मा मि नि
ः ३ वं सां क थी कृ त्वा स ना रु सी स मी य मृ य ग म्म न या सा र्द्ध गायि नः ॥ च वं य नि वि व द्वा मा द य य नि ॥ अ र्च य नः
क थं नृ ग नी रं नी त लै न दाम या न स्मा म्वा वा दः य द्वा दा नः कृ न न व दि न ग न स्मा च्चा न प्र मा व र्ण नि का र्कः

५६

इ दं न न म ग नी रं नी त लै । स उ क्ता य न त्र यि गायि नः सूर्य स्मा ल्प नृ म न का ल स म य उ क्ता य न नृ म्म
निय नृ वा ध मा ना च य नि ॥ अ नो च यि त्वा अ क्क र्त्तु र्ह व ना व दि ना म न ग न स्मा ग द्वा मः न स र्वे व दि
न ग न स्मा सं य मि नाः न च व दि न ग न स्मा ग द्वाः ३ का र्क वि ण्म नाः वि ण्म मि त्वा सां क थी क र्त्तु मा न द्वाः न
स्मा को दृ णी र्ण य स्त द व नीः का चि क्थ य नि ॥ अ नि स्त दं म म कृ न न क चि क्थ य नि ॥ म म दि द्वा न स न
सा अ य न ना दा न ध स न य र्थ नि ॥ का चि क्थ य नि ॥ ना ना वि र्धे व म्म म म र्म धा न य नि ॥ का चि क्थ यः
नि ॥ म म दि द्वा मो ली कृ तु ल ग्ग म्म र्म र्हा न य नि ॥ का चि क्थ य नि ॥ ना ल्प र्क का य दो क्क ली ॥ का चि क्थ

कु

यानि॥ मम विधा च न कर्तव्यं कर्तुं नैकादि धनयानिः ॥ चर्वणं सां कथं कृणुं न न सखी वलि कृत्र वा
धं प्रयास न कर्तव्यं न यथा कं च कर्मि दं यदयं न कृती हि पुन काः न विष्कली रूपाः सत्यं सत्यं वृद्ध धर्म
संयुक्तः न च यं मानूषी न सीमा अथ न वलि कृत्र वाः कथयानि॥ काः स्त्रा कं नाना का गतिः कः यनायः
नः न दानं यं मय प्रयास न कृता अस्मि यथा मा कं सिंह न दीप वाला रुका नामा न्य ना जाम दी न दी नान क
कं यकं सर्वेष्वना नामो वधिं रुका स वरुं वाला काल आवरुं न क नानिः कृता वग नी नं यद्वा दयानिः पुन
कुट्टयि त्वा न दानि वि वा क्का वि पु प्रयास नानि॥ कः या न गामि कः या न गामि कः या न गामि नि॥ नाना स्त्रा हि व क

५

यौ॥ वयं या न गामि नः अथ न वलि कृत्र वा च न दवा च न न च मार्कं विदुषं कृत मस्त्रा दि न गच्छा मा वध
यं सय प्रयास न कर्तुं मा न युः नृनी यदि नः वल्गं गच्छ मः प्रवृष दं सर्वं कर्तुं च॥ न य न व क्रिया च
का न कृता य न व व न न ग नं या विष्ठाः स्वर्क स्वर्क नि व न न मय गताः गतिः न कृती हिः संला विना
ः अ नः कृता नः लुं दृष्टु उ या न न मणि या नि यो क्ति विणी न मणी या नि॥ न कथयानिः न च न किं विदु
षं अथ न कृती न म न दवा च न अथ य न वि वि धाना स्त्रा सिंह न दीप उ या न न मणी या निः वि वि धा
नि यथा य नि यथा नि॥ अ न का नि यो क्ति विणी न मणी या नि सय प्रयास न कर्तुं न युः नृनी यदि न स

८
किं
कु

नदा न मां देवा न स न सा अथ ना ना दा ना नि या द र्क वा निः देवा नि च सो गा धि व सु नि प्रा द र्क ना नि दि वाः
नि च व सु नि प्रा द र्क ना निः यदा यदा न हि या य म न वि वि क य निः न दा न दा न हि या य म न सि द्धा निः अथ सः
वा नि त न वा वि क मि रु ग व न म न द वा च न ॥ य न मा च र्क न या का दं ह ग व नः ॥ ह ग वा ना दा किं का न वा तं क
ल य न य न मा वि स्र य मा य नः अथ स र्वा नि व वा वि क मि रु ग व न म न द वा च न ॥ य दा ह ग वं का न पु वृ द म
म दा या न स न न त ना ज स्या ना म ध्य य म न स्र ज निः य स्या ना म ध्य य मा नृ द णी दे णा नि व सु नि प्रा द र्क वा नि
॥ स र्वा नि ना म स त्वा य का न पु वृ द म दा या न स न न त ना ज स्या नि लि लि वि स्या नि लि ज्वा या यि स्या नि धा न यि

७२

स्या नि ता च यि स्या नि य र्थ वा स्या नि थानि न स्र म न मि क वि स्या नि ॥ न स र्वा नि ना म स त्वा र वि स्या नि य का न पु
वृ द स्र म दा या न स न न त ना ज स्या न का क न मा य लि ज्वा य यि स्या निः न र्दं मां सा नि र्क दः अ न वं य
न नि न च न वा पु ल य क स क लं वृ जा य नः न च न दि ना द्रि या ह वा निः न च न थं ग क नृ क क वा म नः
का त्व ल ग द ल त्वा अ धा स्या स त्वाः कृ षि न स्र म न न च न मां का य स्या धिः स क्ता म न ज्वा ना ल्या व न वां
या नि ना द्रि या य ह वा निः अथ ह ग वा ना थ का न मं म दा र सा ध सा ध स र्वा नि व न वा वि क मि रु ग वं णी दृ
नं प्रा नि र्क नं क ना षि अ न का नि द व ना ग य क ग धु र्वा स्र न ग नृ किं न च म दा न ग म नृ स्या म नृ स्या दि वा

उवाच कायागिकानि न स दसादि सानियानि नानि त्वया ऋद्धि धर्म सा कथां कृणु अथ सर्वनिव न
 विष्णुः श्रीरुगव न म न द वा च न्ना यदा रु म वा त्रि दं य म्भ या नि दि षं न दा द व य न्ना ध म रु या ण द्वा उ त य न्
 ॥ अथ रु ग वा सा ध का नं द वा निः सा ध सा ध क ल य न य ह्म म व य न म्भ था ग ना ना म ध्वा व य स ॥ न य था ये ना
 म सर्व नि व न ए वि ष्णु र्मु क्ख ना म प्रा म वि व ना द वा न र्थ न त्र क तु ना ना म प्रा म वि व न ध न ना न का निः ॥ ३
 ग श्र व क न्ना ग न स द सा दि सानि य ना न्ने सः न श्र ग श्र व क न्ना अ रि त्र या प्रा सा दि का द र्ग नि पाः य न म या
 न्नु ए व मु प्पु ष्क न व या स म चा ग ना दि चाल का न वि ह्म वि न ग नी ना अ य न स न् व य नि स्या दि न्ना ॥ न द्वा

निय न म्भ ह ना निः न व ना ना ग द्वा न वा ध्वा न न व ॥ ५ ॥ ऋ ष द्वा न न वा ध्वा न न व मा ह द्वा न
 न वा ध्वा न न व ना सा का य मा न्नु य र्वा द्वा न्म वि च न ना श्र ग श्र व क न्ना ऋ का ल म व ल्मा कि न्म य न
 म्भ वा धि स त्व म्भ म दा स त्व म्भ ना म ध्वा य म न्नु म्भ ना निः न दा ना सा स व व मु नि वा द र्ग व निः अथ सर्व निः
 व न ए वि ष्णु र्मु क्ख ना म प्रा म वि व ना द वा न र्थ न त्र क तु ना ना म प्रा म वि व न ध न ना न का निः ॥ ३
 वा ना द्वा अ ग्ना का र्म स्या र्म म्भ क्ना म वि व ल्म म्भ म न्नु र्वा धि स त्व म्भ म दा स त्वः प्रा ग व र्वा न्ना धि स
 त्व र्ग नाः अथ सर्व नि व न ए वि ष्णु र्मु क्ख ना म प्रा म वि व ना द वा न र्थ न त्र क तु ना ना म प्रा म वि व न ध न ना न का निः ॥ ३

च॥ कं नायाय नरुगवच्यम्मादं ज्वलाकिं नश्यं॥ रुगवानादनायदिकूलयुगं हेतुसदा लाक
 धातुमागच्छति ममदर्शनं नायवचनाय ययूयागनायः अथ सर्वनिवृत्तविच्छेदः श्रीरुगवत्तमनदवाच
 ॥ अत्र जानामादं रुगवत्तवलाकिं नश्यं वाधि सत्त्वा मदासत्त्वा गच्छति॥ रुगवानादनायदिकूलय
 ॥ मत्तयत्रियाकारवर्गः नदावाधि सत्त्वा मदासत्त्वा यथ मन्त्रमागच्छतिः अथ सर्वनिवृत्तविच्छेदः
 श्रीवाधिसत्त्वा मदासत्त्वरुगवत्तमनदवाच॥ कलकधातंदत्ताविनायनाद्यवस्तिनः किं मया याय
 ननचिलकावतीति न वलाकिं नश्यं नवियुद्धात् नाधरुगनः नमावेमार्गमयस्ति न नः अथ

सर्वनिवनविष्णु श्री वाधि सत्त्वः पून प्रवह गवत्तु म न द वा च न्ना क न म्हा काल रु ग व न्न व ला कि न
 ग्वा वाधि सत्त्वः म हा सत्त्वः आ ग द्वा नि ॥ अथ रु ग वा ना द ॥ रु स नि द्वा य द स नि ॥ अ काल रु क ल य गु वः
 ला कि न् ग्वा न्वा वाधि सत्त्वः म हा सत्त्वः आ ग म ना वा काल रु म य ॥ न य था यि ना म क ल य गु न ना वा
 म वि व ना द व न् र्वा मृ ग वि द्वा न् म ना म वि व न् रु ग न का नि द व का टी नि य न् म न स द आ नि यु नि व स
 मिः क वि द क रु मि काः क वि द्वा रु मि काः क वि द्वा रु मि काः क वि द्वा रु मि काः क वि द्वा रु मि काः क वि द्वा रु
 मि काः क वि द्वा रु मि काः क वि द्वा रु मि काः क वि द्वा रु मि काः क वि द्वा रु मि काः क वि द्वा रु मि काः क वि द्वा रु

चित्र०

नागो मवाधिसत्तां कुमन्निविदिधक्षमलायानमनुस्मयन्निः निर्वाणि कौहमिमन्निविदिधक्षयन्नि
॥ सीसाविर्कदुःखयन्निः नवकानिर्गर्कविन्निः संचिन्नि यित्तामेगीरावयन्निः ॥ ३ ॥ वमवसर्वानि
वनमविष्कम्भिन्निः स्यामविद्वन्नी दुग्धावाधिसत्तानिवसन्निः ॥ गगनावकीर्णवज्रमृदा नाममासविः
॥ वनसुगानकानिर्कनेनेगनसदुमागियुनिवसन्निः ॥ जंगदकलुलकयन्निविदिधक्षमालाहृन्मन्त्र
यनयानिष्कारेणानिदुग्धकानवगनकालवृद्धधर्मसंघारिष्यसत्ताः ॥ ४ ॥ उकाग्रधर्ममेगीविदात्रिका
॥ कानिर्कसाविकाः निर्वाणविन्निः संवगमान्वाकाः दुग्धासुकूलयुगकिंनवाधर्माणिनिनगा

॥ २ ॥

॥ ५ ॥ नसिन्नवत्तामविद्वन्निः कानियवर्तनगनसदुमागिः कविद्वज्रमयाः कविद्वयामयाः कवित्स्म
वर्गुमयाः कवित्स्मटिकमयाः कवित्स्मद्वयनागमयाः कविदिद्वनीलमयाः कवित्स्मदनलमयाः ॥
॥ ६ ॥ वीदुग्धानिकूलयुगत्रामविद्वन्निः सिकानिर्कदुग्धकान्नागगुत्रामविद्वन्निः नकाः यष्टवृकाञ्जनक
विद्वमवृकाः ॥ ७ ॥ ज्ञनकचन्दनवृकाः ॥ ८ ॥ सोमसिकवृकाञ्जनकानियुक्तित्रिगिगनसदुमागिदिवा निवि
मानानिः ॥ ९ ॥ स्मटिकवज्रनस्युक्कानियत्रमल्लहृन्नित्रमनिशानियासादिकानि वीदुग्धानि विमाना
निग्रादूर्हवन्निः कयविमानवकिन्नवादिग्नकाः विग्नमित्ताधर्मसांकथ्यं कवन्निः ॥ १० ॥ यद्वनदानया

नमिनासांकथं कवन्तिः गालयालमिनासांकथं कवन्तिः कात्रिया नमिनासांकथं कवन्तिः वीर्यया
 नमिनासांकथं कवन्तिः ध्यानया नमिनासांकथं कवन्तिः पुष्टया नमिनासांकथं कवन्तिः च वषट्
 ध्या नमिनासांकथं कवन्तिः सकलकानिर्वक्तुं माहिरवक्तुं मन्त्रिः कविः सवर्धुमया श्यं कृमाः कविः
 इयमया श्यं कृमान् सर्वं कृमय सा मन्त्रिः कवकल्यवृत्तादि नदः पुः मोवर्धुत्रया मयानियना निदिः ३०
 यालंकात्रयलमिनामालीकृलुलमुद्रामयलमिनाः कयत्रयलमिनाः नयत्रयलमिनाः रुनाईर
 त्रयलमिनाः नल्लदानयलमिनाः नचकल्यवृत्तास्तु सर्वं कृमय कृतागमसदृशमयुक्तिनाः नयर्वक

मयकिन्नयान्यं कृमन्त्रिर्वक्तुं ममानाः सांसात्रिकं संवगमप्रविन्नयान्तिः अद्वादः श्वं जानिदः श्वं जना
 दः श्वं मारुदः श्वं मयदः श्वं नदयिदात्रिदः श्वं षष्टि यवियुयाः गशियि यमं यागदः श्वं नदयिः
 कवन्नयदः श्वं यवावी श्रययत्राः कालसूत्राययत्रा यौनवाययत्राः राहमराननकउययत्राः युना
 ययत्राः मराननकउयं ययत्राः अग्नि यठमराननकउययत्राः वज्रलेलाययत्राः युननगत्रायय
 त्राः नदनयां सर्वसत्त्वनादः श्वं नयाः चर्वचकिन्नयान्तिरुनसंचिन्नयान्तिः संचिन्नयित्वानेयानिकधाउंचे
 कियिन्नयान्तिः चवमवकुलयुक्तिन्नयाधमार्हिननाः सननकालमवलाकिन्नयत्राधिसत्त्वसमर

च
३२

नागदायमयायामसुथगगानजावन्तिःयागवधाधिसत्त्वराः।मसिंकलयुगवउरुनीमलाटोया
नाजाकात्रलनसर्वनथगगाःयाउगकलासंश्रयाःयनमनाःयागवधाधिसत्त्वराः।कनाजानमयनमः
दुदयमवलाकिनंयनस्यवाधिसत्त्वस्यमहासत्त्वस्यःयत्माययायिनिगुतिगगलागुलनकाशिकाननवउरु
नीमहाविद्यांयुग्यवन्नससत्त्वयवउरुनीमहाविद्यांमगनयानिगुदंजायासिनागहवाकिःनस्यजावकालनवनः
वानिगंमनदीवालकायमासुथगगाःसनियनिगाधयनमान्नजायमावाधिसत्त्वाःसंनियनकिःवद्यावमिगाद्या
नस्यारुवाकिःअन्नवदार्निगदवयूगाःनिकायादवयूगाःसनियनिगाधवत्तान्यमहानाजानयउनादिगांनक्रुतिः॥

३२

सागनस्थनागनाजाअनवनफथनागनाजानक्रुकथनागनाजाःवासुकिस्थनागनाजाः।नानियुमृवान्नचकानिनागना
जकाटिनियुगगनमहागालिधनवींम्यात्रेनक्रुयानिःअन्नलोमायकाज्यवकार्णनक्रुयानिःनस्यकुलयुगस्येकेकनाः
मादेवन्नगथागनकाद्याविश्रामानिःविमंश्रमित्वासाधकात्रमन्नययानिःसाधसाधकुलयुगयस्यमीदृणांविनामगिनलंठ
महासिदिमाकिनससककुलवत्सजात्यांयन्नयनयाःकुलयुगयक्रुकिगगाःयागिनःसर्वमद्वेवकिकावाधिसत्त्वा
रुवाकिःयःकाश्विदिमाधन्नयानिःवउरुनीमहाविद्यांकायगगांवाकंथगगांवाकुर्यान्ःनस्यकुलयुगस्यववजकायगनी
नव्मिवादिनव्यः।थाउमूयव्मिवादिनव्यः।नथागनकाटिनियेवादिनव्यः।यःकाश्विकुलयुगावाकुलद्व

दिनावाळू मांघडकनीं महाविद्यांजयानि सा इक ययतिहा नाहवाळूः हानवाणी कविशुद्धाहवनिः महा मे
गुा समन्वागनाहयनिः महाक वृत्तया चादि नादि च वद्या नमि नायानिययनि सवेया चकवत्तिरिष
कंयानिलह नः यस्या कस्या चेदाग्या संद दानिः मे गुा वाळू षधवासवे न इथे वार्त्तिको वाधिसत्ताहविष्यने
ऽक्रियं चानूनीं स ग्राक्क साधि मारि संवद्य नः यनका गिहा मु स्यात्ता नापि स्युगानिः सवे न वन महाविका ५३
वाधिसत्ताहवयुः १६ दर्शनमात्रमुवायु नृषावादाविकदाविकावामृगयाकि एता गाहिर्गदहादिहि श्रु
दर्शन नापि यग्यानिः सर्व न वन महाविका वाधिसत्ताहवयुः जानि जना मवद्यायिथागादिहि ही नाहवयुः

अविद्यायागनां हवयुः १७ वं न सुउकनीं महाविद्यांजयमानस्य संसा दनाहवनिः अथ सर्वनिव नवावि
कृमीरुगवत्तम नदवाचगा कथं रुगवत्तलह दं यउकनीं महाविद्यां मासा अविद्यायागना ३४ यमयाधु
आना नां चयात्रियादि न चवानूनी यायाः स ग्राक्क सा निर्वान स्यायदर्शनं माकृ स्यायवर्णनं नागद्वयस्य
चययग मनंधर्मग ३५ स्या चयात्रियवर्ण उलूलन ३६ संसा तस्यय ३७ गानिक स्या संसा वन ३८ नवकाना ३९
कृणा ना ३९ समत्याठ नः ४० उला वद ४१ निर्य ४२ निगना नां आग्या दाधर्मां यात्रियवर्ण सर्वहृ हान स्या कृ यानि
दिना स्याळू कुमिः रुमवगायळू मांघडकनीं महाविद्या मनुययहुनिः चउ हीयाः सफ वलयात्रियवर्णानि

यु
क

र्या नयेन व्याभयदेहगवर्गलिङ्गमा नाया मयि र्ज न संवेद्यमानव क हूलं मदीय न एवा विन न मर्मि कः
र्या नः चर्मममृत्याय ह क र्या नः अस्मि र्वा क्ता व प्रव नी क र्या नः न दायि मम ह म व त्ना रि श्व दं गी नीः
लस्य मा नायि गृह गा रु व निः गु त्रे धा म नि गु त् क थ्यः अथ रु ग वा अर्वा ने व न ए वि क्ता मि नं वा धि स त्व म द
म त्व म न द वा च न्ना स्य वा म्म दं क ल य गु णा मि श्व उ क्ती म द्वा वि द्या याः का न ए न य प्र मा ए व आ य मा यं ला के ३८
धर्मा यो वि प्र मि नः अ न का नि न थ ग न को टि नि य न ग न म द्वा मि म या य र्प या रि ना निः न च न्मं न थ
ग ना नां म का णा म याल द्वा ना यि गृ ना न द वा त्ना रु मा ना म न थ ग ना र्द म्म क्क म्म द्वा वि द्या व न द सं य नः

स ग ना ला का वि द्य त् व द म्म मा व थि णा म्मा द वा ना अ म नू ष्ठा णां च वृ द्धा रु ग वा त्ना न न म्म य प्र का म या ण्म वि
य म्म क्क निः न दान न न थ ग न ना र्द ना सं म्म क्क म्म द्वा ना रि दे न्ना मा क ल य गु मा वि क नू णा न्म वि य म्म क्क ग द्वा
क ल य गु य द्वा रु मा ना म ला क धा उ क्क गु य द्वा रु मा ना म न थ ग ना र्द म्म क्क म्म द्वा रि क्क नि धि य न जा य या निः म
व्म मां व उ क्क नी म द्वा वि द्या म नू ज्ञा न नः न स्या दं क ल य गु त्ना रु म्म न थ ग न स्या नि का तु का र्ता र्दं य न य द्वा रु
म स्य न थ ग न स्य वृ द्ध क्क गुं व ना य सं का क उ य सं क्क म्म रु ग व नः या दो णि व सा रि वा दि वा य प्र स्या त्वां जालिं क्क वा ल
य म र्द रु ग व म्म उ क्क नी म द्वा वि द्या वा क्क म्म ना म ध्य य म नू स्य व न मा नु ध सर्व या या नि क्की य नः वा धि स द ल रु य

य
ह

गिल्लय नः य नार्थ नार्थ कृष्ण न कानि ला क धा उ मा मि हे वा ग ल्यार्थ स मा ह व मः न दा य धा ल म स थ ग
न ल् मां स उ क्क नी म दा वि या गु ण न् स मा व र्धु य कि न ग य थ आ यि ना म क ल य गु ण क न य न मा न् व क्क स य म
ल म क्क दी उं न उ क्क ल य गु म याः ग क्क न म उ क्क नी म दा वि या या उ क्क जा य स य य् स क्क धं ग दा यि उं ग क्क
म या क्क ल य गु वा ल का स म् उ स्य के कां ग दा यि उं न उ क्क ल य गु ण क्क न म या स उ क्क नी म दा वि या या उ क्क जा य
य स य य् स क्क धं ग दा यि उं ग य थ आ यि ना म क ल य गु का शि द व य न् व षा ह व न् व स ग्ग दं या वि य र्धु या ज न म द
मं क्क र्पा द्द न यं च षा ज न ग ना नि स गि ल रु लेः या वि य र्धु क्क या न् य गु म् वी वि व लं न स वि च नः न गु य न् व

दा न स य य द ज वा म न म क ल्य ग न स्या निः का न् स उ क गि ल रु ल म कं वा दिः य क्रि य नः न द न न य र्पा य दा न् क्क दं
म म् ल य गि स नं य वि क र्पा य र्पा दा नं व क्क यः न उ क्क ल य गु ष उ क्क नी म दा वि या या उ क्क जा य स य य् स क्क धं ग दा यि उं
न ग दा यि उं ग य थ आ यि ना म क ल य गु व तु म दा दी य ना ना धा नि क्क म यः का न य किः य व ग म ध् म ग्ग लि म् क्क मा य
दि हि मि ल का उ व क्क थ दी निः न गु का ल न का लं ना म वा जा ना व र्ष धा न म न् य य क्क किः गानि ग स्या नि वा य न्
ः न ग स्या नि य वि य र्पा दा नि य वि क्क य नः उ वं क्क म् व दी य म् व लं क र्पा नः न ग स्येः क ने रा त्रे व् व म् म् उ म् म् टो य
ट के ग्ग रि ग्ग र्पा दि हिः ल द्वा यि वा ग सि य् व ज य न् य य क्रि य नः स ग्ग रि ल द्वा यि वा म दा न् वा गी निः य

पर्यवदानगच्छन् न उ कुलपुत्र षडरु नी मदा विद्याया एक जायस्य यद्यस्तु धंगलिये उं न यः
 थायिनामकुलपुत्रमदा समुद्रचतुर्णी निथाऊ न मद्रुमा निगं हि र्यभाय मय देव लो न व उ वा मय म
 र्य नः न क्क न म या न ना ग हि न या वा ला ग का छा न के के वि द ग ल यि उं न उ कुलपुत्र न क्क न षडरु
 नी मदा विद्याया एक जायस्य यद्यस्तु धंगलिये उं न यः थायिनामकुलपुत्र न क्क न म या नि नी षडरु
 न सो के क य गा नि ग ल यि उं न उ कुलपुत्र न क्क न षडरु नी मदा विद्याया एक जायस्य यद्यस्तु धंगलिये उं
 न यथायिनामकुलपुत्र च उ मदा दी य नि वा सि नः श्री पुत्र ष दा न क दा त्रि का स्त स वे द न ह मि यु गि नि षः

ना वा धि स त्वा ह व यः य स्त वा धि स त्वा नं यद्यस्तु धंगलिये उं न यः षडरु नी मदा विद्याया एक जायस्य यद्यस्तु
 धंगलिये उं न यथायिनामकुलपुत्र द द न मा सि के म म्भ स न ना धि क ना गु या द न मा सि के ल म म्भ स न न ग या
 ग ल न या या त्रि य र्हु दि वा क लो दि वा ना गो द वा व स निः न क्क न म या कु ल पु त्रे के के वि द ग ल यि उं न उ
 कुलपुत्र षडरु नी मदा विद्यायाः न क्क न एक जायस्य यद्यस्तु धंगलिये उं न उ कुलपुत्र के व ह ना म स्त द
 न्ना स्तु ग न को टि न क स्त न धा त्र या दि द्वां क लं वी व ल यि ए या गु ग य ना म न स्त न पु त्र य हे ष ड या त्रि क नः
 सर्वः पु जा य स्त ने न्द्र य स्ति ना ह व यः न च न न था ग नाः न क्क वा नि षडरु नी मदा विद्यायाः यद्यस्तु धंगलिये

ॐ पागवा दमका की अमिता कथा गो वेद नामि विष्णु ध्या नय दसु समुक्त नना दं कुल यगु लव नाथाग
 मनयुक्तः नच गुरु धर्मा रविका धर्मा रनागना धर्मः यत्र मरुदय योक्त मवला कि नं न्यत्र स्या वाधिस त्व
 समदा सत्व स्य कल लेः यानि विनः उव मव कुल यगु मउ क नी मदा विद्या या उपाय का गला नाद मायि कुल य
 नन कला कथा उका टि नि युगल न सदा सा विधायि नि मि न वा न गला चा मि न ह स्य न था गन स्य यत्र नः या अ ७८
 लिंकु त्वा धर्म वेग नागु नियुक्ता निः नदा र मि ना ह स्य न था गना जाना निः अनी ना नाग न यत्त यत्र मया हिः
 दिना सच कुल यगु मउ क नी मदा विद्या या जाना मि कु सिः राव नाथाग मनयुक्तः ॐ हामि मृग न यथा नृः

मारुः यानी यम नैव ग। उ वं र ग व स उ क नी मदा विद्या मन्त्र स मा लला कथा उ व य संक्रा नः ययु पा
 सिना नि मया अ न कानि न था गन का टि नि युगल न सदा सा विधायि नि मि न वा न गला चा मि न ह स्य न था गना जाना निः अनी ना नाग न यत्त यत्र मया हिः
 या ना ही ल ज्ञा। न था दि तं र ग व ना ना ह व न न र्ग य ला य नी वि क ला द्रि य स्या च क र ना ह वः य न व मा र्ग
 स्या मा र्ग य द र्ग का ह वः सूर्य ना य द द्यु नी क र ना ह वः च उ मदा यत्त स ल वृ क ॐ व ह वः ध म या त्रि नृ
 धि न स्या न ध र्मा द र्ग का ह वः अ यानि विन च न स्य व द्रु क व व र ना ह वः अ मि ना ह ना द ना म स्या क स्य द
 ना व ला कि न न्यत्र स्या वाधिस त्व समदा सत्व स्य कला वै क र ग स्य ना नि र्धा णा या वि र्गा य स्य कुल यगु व

लाकि नम्रवयशाल मसुथागताः र्कमम्यवृद्धः वउरु नीमदाविद्या याका नली नानक लाकधाउका
 टीनियुगगत मरुआलितुमिवान्ददस्य वउरु नीमदाविद्या याजां नथागतरुन वउरु मानि॥ ज्धवला
 कि नम्रवाकाधिसत्वा मलासत्वा रुगुवन मरुदवा चरा ज्धवमगुलन दानवा रुगवरः कथां यमांकम
 दा मुनूगुकागि कथं मद्युध नमूदां संजानि नः कथं सर्वनाज्जुना ममूदां संजानि न मगुलय विद्युदिं ३ ७५
 कथं जानि नः मगुल मय दानि मरुचउ नम्रय ३३ रु मय मादां मा मरुक नः मथ्य मगुल म्या मि नरुलि ३३ ३३
 ०० दनील चर्धु यद्रचर्धु मरुकठ चर्धु मरुठि कचर्धु मरुवर्धु चर्धु ना न्यामि नारु मय नथागन स्य का यमं याजयि

रुआनेः दकि नया ल्य मरुविध नंवाधिसत्वं कर्ल वां वा मया ल्य वउरु नीमदाविद्या कर्ल वाः वउरु र्ध
 जान वका गुगे नवर्धु नाना लंका नविह विन न नी नावा मरु मय मं कर्ल वां यम म्या या नि मदिः क
 र्ल वां दकि न द मरु ना रु माला कर्ल वाः दोरु मरु संयुग यकी सर्वनाज्जुना ममूदा कर्ल वाः न म्यां वउ
 रु नीमदाविद्या याः याद मूलविद्या धनं कर्ल वां दकि न द मरु धय कठ रु कंधय यमानं वा मरु मरु नना
 नाविधालंका नयानि यूर्धु येठ कं कर्ल वां अम मगुल मय वउः का ए वत्वा ना मरुना जान कर्ल वाः ॥ ३
 नाना युद नम गृही नाः न मय मगुल मय वउः का ए वत्वा नः यूर्धु क मः नाना मदि नत मं यिः क रु वा

ॐ यकाश्चि कलपुगावा कलददिना वायदी छुनि मधु लपुवयं नन सर्वलग्नस्य यनं यत्र यो या ना मा
 निलिखि न ग्रानिः ननु मधु लपुथ मगनं नानि ना मानि युक्ति यः नः न सर्वे वन मरुविका वाधि सत्वा
 ७० हवर्त्तन सर्वमान्मका दः अविविद्य दीप्ताः क्रियुक्तं नरु नां मया क्क म्माधि माहे संवृध न ननु वायं न स
 न दान वाः अथ वा श्रद्धा धि मूक दान वाः अथ वा मदाया ननु ह्यधि मूक दान वाः न यनी धि क दा
 न वाः अथा म नारु मथा ग ना र्दं मया क्क म्माधि माहे संवृध न ननु वायं न स
 कलपुगुं नु नी न वृर्णु यत्र ना ग वृर्णु म न कट वृर्णु नृय वृर्णु सूवर्णु चर्णु डात्रि द स्याये कलपुगु

स्य कल ददि उ वा न संवेद्य न नानि चूर्ण निः ॥ ग व नाना नं गानि मथा जयि न ग्रानि ना ना यथो न
 नानं ग गधै र्यदि कलपुगु न दयि न संवेद्य न नानि चूर्ण निः ॥ ग व नाना नं गानि मथा जयि न ग्रानि ना ना यथो न
 कं मधु लं कल वां आचार्य न मूडाल क्क म्माधि माहे संवृध न ननु वायं न स
 क्क म्माधि माहे संवृध न ननु वायं न स
 ह म न क सत्व काटि नि यून न न स र्वा गे स मा न दः अवा यत्रि भा वय यं क्रियं चान् नरु नां मया क्क म्माधि स वृध न ननु
 अ वला कि नृय ना वाधि सत्वा मदा सत्वः यथा रु म स्या न था ग न स्या र्द नः मया क्क म्माधि स वृध न ननु

नृपयक्षुनिः॥ उँ मगिय अरुं॥ यस्मिंका उँ मंषउ कनी मदाविद्या नृपदलागदावता प्रादीयाः सद वरुवनय
 यकाः कदली यगुव संवात्रिनाः कृदाय तात्रा मदासमूदा मुक्ताः सर्वविद्याविनायकाः प्रयत्रोयनः पकनाकसा
 कृष्णगुः मदाकलमातृका गदा सदिनाः ॥ अथ यद्वा लमननथा गन नार्दना सम्यक् मृदु नग उरुज सदृमं वादं प्रसाः
 यावलाकि नग्य त्रस्य वाधे सत्त्वम मदा सत्त्व स्यनन सदमुमूल्यं मुक्ता दात्र मयनामिनी मकादा नृन नगृदीता नथा ॥ ११
 मिनाह स्यननथा गन स्यादं नः सम्यक् मृदु स्यायनामिनी नगृदीता यद्वा लमननथा गन स्यादं नः सम्यक् मृदु
 स्यायनामिनी अथ यद्वा लमननथा गना इह सम्यक् मृदु उँ मंषउ कनी मदाविद्या गृहीताय नयद्वा लमाला कषा उरु

नायसंक्रान्तः ॥ अथ कल यगु मदायद्वा लमननथा गन स्यादं नः सम्यक् मृदु स्य सकागा कृता अथ सर्वानिवन
 दाविष्क मृदु गवन्न म नद वा वन ॥ कथं रग वन्न नृपं षउ कनी मदाविद्या या प्राकथा गस्य यथा इह रग वन्न म
 न स्याल द्या स्वादं नृपिं न संलु रग ॥ अथ मदं रग वन्न षउ कनी मदाविद्या गृह मा गृह नृपिं नल ला मि यद्य वन्न नः
 सत्वाय षउ कनी मदाविद्या जयानि गृहानि विचिक्रयानि अथ गय नधा नयानि ॥ अथ कल यगु यथ मंषउ कनी
 मदाविद्या लिखाय य लन चउ नगी निधर्म स्केध सद आगिलि उवायिना निह वानि यत्र माने न जाय मा लु था गना अरु नः स
 म्यक् मृदु आदि वस्व वगु नल मयानि स्यानि का नय यः का नयि ता च कदि नधा ताव ना यनं कुर्यात् ॥ यद् न च यी रल वि

च
दि

माकं षडं कृती मदाविद्याया प्रकाशलस्य रूपाविद्याकं अविद्यागुणनां षडं कृती मदाविद्यासूयानिष्ठेन माकाणां यः कूल
युगावाकूलदूहिनावाहं मा षडं कृती मदाविद्यां जयन्त सः मासमाधयः युगिलहं ॥ न यथायिना मम दाम विधजाना म
समाधिः विधी प्रणनाम समाधिः न त्रगानि र्थ एषानि सं एषाना म समाधिः वज्रकवचाना म समाधिः सूयानिष्ठेन व प्रण
नाम समाधिः सर्वपापको गलायु व एषाना म समाधिः सर्वधर्मयुव एषाना म समाधिः ध्याना लंका ना म समाधिः धर्मज
ध्यावृष्टाना म समाधिः रागद्वेषमादयत्रिमा क एषाना म समाधिः न न वत्ताना म समाधिः वृत्रानिदेनाना म समा
धिः मदा म बुधना म समाधिः सर्वहयाला प्रणना म समाधिः सर्वदुष्टकृन्तु संदगाना म समाधिः सर्वनथगन वृ

१२

वलाकना नाम समाधिः सूयानिष्ठेन ज्ञायनाना म समाधिः प्रवयु मूत्रा कूलयुगा धी ल न स
माधिः नं युगि नरु न यः मा षडं कृती मदाविद्यां ध्या नयानि अथ सर्वानि व प्रण विधी रगवक्त मः
न दवा च ह ॥ कृता दं गामि म्मि रगव च च्छयं य ग्रा दं ल ह षडं कृती मदाविद्या त्राही ॥ रगवा ना द ॥
अस्मि कूलयुग वा ना म समाधिः न ग र्था धर्म ला न क यः मा षडं कृती मदाविद्यां ध्या नयानि वा य यानि
थानि ग म्म म ना सि कृ त्र ग ॥ आ द ॥ गामि म्मि म्म दं रग वं वा ना न सी म दान ग र्ती ॥ व स्म धर्म ला द क स्म
दर्शन ना य व द ना य य र्था स ना या ॥ रगवा ना द ॥ सा धू सा धू कूलयुग वं द ल ला धर्म ला द का दि मां षडं

च
ह

रुशिः जायं न व न ध ग ना ज्द नः स म्भ क्क म्भु हा ज्द न कानि वाधि स त्व का टी नि य न न न म दः
आ नि न व य जा क र्म ल उ य सं का म तिः व क्का वि ष्म स दं य न व द्वा दि य वा य व न र्म ग्ग या य म ग्ग य
म न क्क म्भ न व त्वा ना म द्वा ना ज्ञानः उ ध म ध र्म ग्ग न कः न म्भे न द वा च ना मा ह्व क ल य पु की कृ त्वा
म ल्वा द या मिः मा र्वाः क्क ल्वा य ग्ग गि का सं सा न स्या नि मि र्म काः यु जा म लु ल म्मा या दि का य य क ल
यु ग्ग व उ क्क नी म द्वा वि या ना ह्वी ज्ञान न व र्म ग्ग ल द्वा द न र्म लि य ग्ग जा म्भ न द स्या म्भ व लु
म म्भ र्म म लो न व म व क्क ल य पु य स्या व उ क्क नी म द्वा वि या ना ह्वी का य क लु ग न न व न स्या का यं ग

१५

ग द्वा ह्वे न मा द न र्म लि य ग्ग उ थ स र्व नि य न ग वि ष्म र्म ग्ग दं या द य त्रि ष्म क न म न द वा य
रुः यु ग्ग म्भ मा र्ग य द न का र वः ध र्म य वि र्म वि न स्या ध र्म त्र स न सं न र्म य मां ह्व म न र्म ना म म्भ क्क म्भ
धि वी जं वि य र्म ग्ग स्या वा धि वी ज म द दः ध र्म म्भ म क्क ग द्वा दः स्यु गि वि न नू या नां का य य त्रि ष्म
गु द्वा द दः उ र्म य नां क्क ग ना र्म यु गि ला र्म मि ने स र्व ज नाः क थ यानिः वा क्क म लो वे य य उ र्व क्क न
द द स्या म व उ क्क नी म द्वा वि या ना ह्वी य ना र्म क्क यु म वा न र्म नां स म्भ क्क म्भ वि म र्म र्म व द्वा र व यं
द्वा द न्म का र ध र्म व क्क य व ल य यं स र्व स त्वा नां र्म सा नि क द्वाः ज्वा य त्रि मा च य यं उ र्म न य वा धि म्भ र

सु

अवययं। षड् कनी मदाविद्या नाज्ञा ललाह वयं। ददस्व म षड् कनी मदाविद्या नाज्ञा ललाह व
न नर्गय नायर्ग। ज्दी या नादी या हवः। अध मध मरु नैक म म दय व मा दूर्ल ह य द षड् कनी
मदाविद्या ॐ यं सर्व वक्त यदं षड् कनी मदाविद्या नाज्ञा। ज्दी य वक्त यदं ज्नीरु नहा नय दं। ज्क यः
ह न य दं निरु न य दं। मा कृ पु व न य दं। न था ग न हा न विष्णु द्वि य दं। ना ग द्ध ष मा ह सं सा न दः। व ७
य नि व क्त ज्ज न य दं। सर्वा या य की ल ला य दं। ध्वा न मा कृ समा धि समा पा लिय दं। सर्व धर्म पु व न य दं
दं। नि त्थ का लं द व ना रि कां कि न य दं। य च कृ ल पु न ना ना स्ता न ष्दी कृ ति। मा कार्य ना ना य ट ष्दी

१७

कृति। न य था ॐ नु य दं। ध्व न य दं ध्वा षि न य दं। दि व स नि यो कृ का म द्ध न ष्दी कृ ति। वै षु व ष् मा
वृ ७ षु न म न व लो षु ७ ष् मा न य द्दी कृ ति। न च न षां मा कृ। इ स्तो ने न सं वि श न ७ न्ना दि ग नी ना मा यि
कृ गा र्ग ग कृ तिः। ना यि ग न व द ना ह व तिः। सर्व द व ग द्ध न्ना व कृ ति। वै षु म द्ध न्ना ७ न्ना कृ द व न्ना मि
दु न्ना दि यो वा य व न्ना म य म न्ना धर्म ना ७ व द्वा ना म द्वा ना ना नि त्थ का लं। न ष ७ षड् कनी म द्वा
विद्या नाज्ञा। प्रार्थ या तिः। क थं व यं षड् कनी मदाविद्या नाज्ञा ललाह म द्ध न व यं मा कृ पु व ना ह व मः।
न य था यि ना म सर्वा नि व न्ना वि ष्कृ ति। य ह्वा य मि ना सर्व न था ग ना नां ज न यि तीः। ॐ नि ज्ज न्ना य न

सावयउरुनीमदाविद्यानाहीयुममनकृणाश्रलियुठारुवनिःयागवनथगगाजुर्दन्ःसम्य
कृम्वदावाधिसत्वगमाश्रुःज्यैकलयुगुनदुलवत्मानंमदायानस्याकिदिसोवदवामदायान
सुगुंरुयैवाकनधंगमागदामनिदानादानानिवृलकजागकवैयूलाहूनधर्मायदणकः।यायान
कृलयुगुजायनमानुषागिवमार्कैवदुनानांकनधर्माकिंवावृषमधुगनंसात्रमूयगुकाकिः॥११
त्रिलुथासात्रमिनिजगुकाकिःनीत्वास्वकीयनीधननराश्रानियात्रियुर्धुनिहृत्वास्वाययानिः॥१२
यित्वादिवसान्नयनसूर्यगायनयात्रिणाषयानि।यात्रिणाषयित्वावमृगलयुहालेर्विरदयानिः॥

नमस्तुतानियवित्युजाकिंसात्रनिद्यवस्तुयिर्ननदुलसात्रमिनिः॥१३वमवान्नयागवृषसाद
नः॥सर्वयागनाश्रयंयउरुनीमदाविद्यानाहीनदुलहनादुवृवाः।यस्याकात्रलनकृलयुगुवा
धिसत्वाः॥वयाकिःदानयात्रमिथेनः।नीलयात्रमिगाथिनः॥कानियात्रमिगाथिनः॥वीर्यया
त्रमिगाथिनः॥ध्यानयात्रमिगाथिनः॥यहयात्रमिगाथिनः॥कजायनकृलयुगुवृष्टात्रमिगा
थिनियनयानिः॥यस्याकसाविडमुस्यर्जननायेयर्गनिगशियेज्वैवर्लिकरुर्मियुगिलरुः॥१४वमव
कृलयुगुयउरुनीमदाविद्यानाहीः॥दुर्लहसोवनामगुदनां॥३कनामगुदलनसर्वनथागगाशीव

नमो नमो सर्वनिव नमो विष्णु मन्त्राधि सत्तनमदा सत्तनमो उवाच यदा क्रिष्ण उवाच नामि उ मात
 द्वाः वत्ता नादी याः सय नत यानि यः शुभः ज्य सधर्म एव क रु सौ न द वा च ॥ उवाच न स न ए वा न दः
 क्रिष्ण या ग व म उ रु नी म हा वि धान व गृ कामि क ल य गृ त्व स का म त्व उ वा धि स त्व रू गा र स्या र्था सि ना मा उ
 र्था सि वे न य न्त्वं मा क ल य गृ न न ग स्या न ग म रु मु मू ल्यं मू का हा न म य ना मि ना ज्य स क थ या ने ॥ क ल १५
 य गृ म द व न न ग म क म न स थ ग न स्या र्द नः स म्म क्कं व द स्या य ना मा ये न वा ॥ ज्य स र्व नि व न वा वि ष्णु
 मू न स ध र्म ए व क स्या यो नी न सा वा दि त्वा य का रुः यानि यः शु ल ल ह म ना न त्था य न ज न द न म हा

वि दान रु ना य सं का रु उ य सं क म्म रू ग व नः या दौ नि न सा र हे व द्यो का न व व रु ना र रु ॥ ज्य रु ग वा नः
 म्म क्क मू नि स थ ग ना र रु न्म म्म क्कं व द रु म न द वा च ॥ ल य ला रु स क ल य गृ उ वं मं जा नी नः स य स य
 मिः स म्म क्कं व द का टि मं नि यानि ना ॥ ने वा ये न थ ग ने वि यं धा न दी ला वि उ मा ल द्वा ॥ न मः स य नां स
 म्म क्कं व द का टो नां ॥ न य था ॥ उ व ल व ल व न्द स दा ॥ य स य स य नि स म्म क्कं व द का टो हि न क थ न
 दा ॥ न ना ना मा वे व ना द व नी र्म स य य ला ना म ना मा वे व न रु ना न का नि वा धि स त्व का टो नि य न न न
 स रु मा नि यानि व स नि ॥ न सिं सूर्य य ला ना म ना मा वे व न दा द न स रु आ नि क नै क म या नां य र्व ना नां य र्व

न यवर्गन द्वादशगणगणानिः न यवर्गना नां याश्चानियमत्राग यविगानियाः प्याः प्यादेवमादिनतः
 मयानिः उद्यानानियममः नानानिविचिगानिस्रमगियानिदिद्वयुक्तविधीसमलंकृगानिः न
 ककुटागमनसदशालोदिद्वयसुवर्गुत्रुतमयानिमूकपट्टकलाययुलंविगानिमूकालालगनसद
 मुयुलमिगानि न यवर्गककुटागमनाममथामात्रकानामविनामगिनतं यल्लयवाधिसत्त्वा सैनां तीयकव
 लो नृपस्तुनं कानिः न दामवाधिसत्त्वा सुषूककुटागमप्रयुविगानिः यविगानिः स्रजकनीमहाविद्यां स
 मनुस्मयानिः यदावसमनुस्मयानिः न दानिर्वाणसुमिमनुगच्छतिः ननुनिर्वाणसुमिमनुगच्छतिः ॥

ननुनिर्वाणसुमिमनुयाय सुधागर्जनमस्यानिः नश्चवलाकि नश्चवंवाधिसत्त्वं मदासत्तं यग्यनिः स्रः द
 वाचनस्याचिरुयसादं जनयानिः जनयित्वाचनदावाधिसत्त्वा सुषूककुटागमप्रयुनिः सुकानिः एकमकः
 चिद्वं कुमभननुगच्छतिः कचिद्रुतमयुषुशानवगच्छतिः कचित्पुष्पनीनीयुगच्छतिः कचित्पुष्पनागः
 सुयवर्गनयाः प्याः प्यादेवमादिनतः गत्वाचययैकमात्रुक्तं कायं यागिधनाहि मूकानिः मूकानिः मूकानिः मूकानिः
 सुकलपूत्रवाधिसत्त्वा सुस्मिन्नामविवचयानिः वसतिः ननुकुलपूत्रनामविवचादवगीर्यं दुःखानां
 नामनामविवचसुगानकाचवेवर्लिकवाधिसत्त्वादीनियुगनसदशालोदियानिवसतिः नानिः

ॐ
दि

संजवेच्यययत्रानां सत्त्वानां दः स्वकालसूत्रात्रवाययत्रानां सत्त्वानां दः स्वयुननगत्राययत्रा
नां दः स्वयं दंकायसं वगमन्नावि विंयनदाययकमात्रकसर्जकायं युनिधायारि मूयौ स्मृतिम
यस्मायाः न वृम वृयवर्ननाज वविदु नात्रे ननु कलपुनु श्रीमावेवनादवनीर्यचिनुना जानाम
श्रीमावेवनरुगा कानियुल्यक वदु काटीनियुमगन सरुआलियुनिवसन्नि जालननयनवः
षष्ठावेष्टा ननयानिहारायानैक वृत्तिः नस्मि श्रीमावेव प्रगन सरुआलियवर्नानां न सवेयवः
नना जानः सफ सफ नलमया यवनाः न वृयवर्ननाज वविदु नात्रे कलपुवृकाः लादिनदधुसूः

८२

वर्धुत्रयायगाः अनकानि वलनग सरुसुयत्रिवाचिगानिः विविधालंकात्रयलं मिगानिः मो
लीकृशुलमुग्धममयुत्रयलमिगानिः दाला र्द्धदात्रयलमिगानिः नूयुत्रयलमिगानिः कागि
कवम्बुयुलमिगानिः श्रीवर्धुत्रयाय धुननवधायमानाः गादृलेः कलपुवृके मयवर्नना जान
यत्रियुल्लः न वृयवर्ननाज वृयुल्यक वदु नात्रे ननु काः सगुंगय वाक नर्दगाधः
द्वनवृककजा गक वेयुला हं नुनधमपिदली नयनस्य रं मां कथं कृ वृत्तिः नदासर्वनिवन
गावेष्टा मिक्तगा श्रीमावेवनादवनीर्यसर्वयान्धिभायं नामनामावेवनाश्च जाना जानामना

ॐ

यत्तु गवन्मृगयुक्तं कृत्वा यत्नं वञ्चयन्नादि दानानि कुम्भावीचिनत्रकं गच्छतिः ननु गवा
चावीचिमदानत्रकं नीतिरावमयगच्छतिः अथ सर्वानिवत्राविकुम्भं गवन्मनदवाचनः
कृत्वा गवन्मयज्जुतिः कृत्वा वा गच्छतिः गवा नादा ॥ नमस्कृत्य गवा वलाकि नम्यत्रावाधि
सत्त्वं नमदा सत्त्वं नानाविधमयज्जुतिः ॥ गवा स्मिज्जगवन्मदाविदा प्रजा गच्छतिः अग
त्यमममृगयुक्तं कृत्वा वीचिदोमेनत्रकं गच्छतिः गवाचावीचिमदानत्रकं नीतिरावमनृगः
छुने नमिज्जगवन्मदाविदा प्रजा नानिनिमिक्तानि यादृशानिः दिव्याश्चकल्यवृक्षाः यादृश

८७

दिवा यत्तु यत्तुः यादृशः नमस्कृत्य गवन्मदाविदा नदिवसवत्तु निर्मासं दम्य नमः ॥ नमस्कृत्य गवन्मदाविदा न
दम्य नमः ॥ अथावलाकि नम्यत्रावाधिसत्त्वं मदासत्त्वं ॥ सत्त्वावलाकि नम्यत्रावाधिसत्त्वं मदासत्त्वं ॥ अथावलाकि नम्यत्रावाधिसत्त्वं मदासत्त्वं ॥
संयुक्तं गवा मृगयुक्तं वलज्जगवन्मदाविदा नमः ॥ अथ गवा मृगयुक्तं वलज्जगवन्मदाविदा नमः ॥ अथ गवा मृगयुक्तं वलज्जगवन्मदाविदा नमः ॥
वलाकि नम्यत्रावाधिसत्त्वं मदासत्त्वं ॥ सत्त्वावलाकि नम्यत्रावाधिसत्त्वं मदासत्त्वं ॥ सत्त्वावलाकि नम्यत्रावाधिसत्त्वं मदासत्त्वं ॥
सत्त्वं यत्तु यत्तुः ॥ अथावलाकि नम्यत्रावाधिसत्त्वं मदासत्त्वं ॥ सत्त्वावलाकि नम्यत्रावाधिसत्त्वं मदासत्त्वं ॥ सत्त्वावलाकि नम्यत्रावाधिसत्त्वं मदासत्त्वं ॥
मया कर्म मृगयुक्तं यत्तु यत्तुः ॥ अथावलाकि नम्यत्रावाधिसत्त्वं मदासत्त्वं ॥ सत्त्वावलाकि नम्यत्रावाधिसत्त्वं मदासत्त्वं ॥ सत्त्वावलाकि नम्यत्रावाधिसत्त्वं मदासत्त्वं ॥

मा ॥ अथ वलाकिर्ग्वना वाधिसत्त्वा महासत्त्वा रगवत् ४ यथा न्ययनाम यतिस्म ॥ २० ॥ मानियमानिरगः
 वनमिगारा नग यगन नयदि गानि एट्टयत्या वाधर्मा वात्यागर्गर्गवत् यत्कानर्गर्गवत् सखस्य न विज्ञातः
 ना ॥ १ ॥ गगारा गवनायमानिगुरु वामयात्वे स्थापिमानिमा ज्थमह ग्वली दवयणा यनरग वा स्त नायसीका
 नउयसंक्रम्यया दोमिनसाशिवेष्ट रगवत् नमनद वावत् गलर्यं रगवत् नया कवननिदं गं ॥ रगवानाह ॥ ॥ ॥
 इत्वं कलयया वलाकिर्ग्वना वाधिसत्त्वा महासत्त्वा स्त वा केन न दास्यति ॥ ज्थमह ग्वना दवयणा गला वत्
 किर्ग्वना नस्य महासत्त्वा स्याद यानिययस्ती गावधर्मे न कथं मानयः ॥ ॥ ॥ मानिमा इत्वं वलाकिर्ग्वना यथाधिस

त्वाय महासत्त्वा ययमध नाययमासना ययमायु याय गुरुय मरुत्ता ययमागि या ययविदृता यय
 थी वत्तला चनक नाययद्रा दनक नाययवं मरुत्ता नाद वयणा इवलाकिर्ग्वना नस्य वाधिसत्त्वा ॥ ॥ ॥
 महासत्त्वा स्त गावधर्मे न कृत्वा नृष्टी लवत्त वा कस्मिन् ॥ ॥ ॥ ज्थमह ग्वना दवयणा गला वत्
 त्वस्ते मगदवा चरुं किं का वत्तं लै कृत्वा नृष्टी लवत्त वा कस्मिन् ॥ ॥ ॥ ज्थमह ग्वना दवयणा
 रुमगदवा चरुं किं का वत्तं लै कृत्वा नृष्टी लवत्त वा कस्मिन् ॥ ॥ ॥ ज्थमह ग्वना दवयणा
 रुमगदवा चरुं किं का वत्तं लै कृत्वा नृष्टी लवत्त वा कस्मिन् ॥ ॥ ॥ ज्थमह ग्वना दवयणा
 रुमगदवा चरुं किं का वत्तं लै कृत्वा नृष्टी लवत्त वा कस्मिन् ॥ ॥ ॥ ज्थमह ग्वना दवयणा

ॐ

चकलयुगमदस्थननिर्युक्तानामाग्नान्नंनि॥ अथ सर्वनिवर्तनविष्कम्भीरुगवत्तमगदद
यथाजगन्नाहगवत्तवलाकिनस्थनावाधिसर्वमदासत्वायथाधरुगवत्तनेक्रिययाकः प्रवमवम
वलाकिनस्थनावाधिसर्वानृयायकः॥ अथममदलंजमज्जययुगमनायथः॥ अथजामाययैयुगवाधि
मालाज्यैमविनः॥ सवगसाधमुकाथानिर्वानदलंकः॥ गननः॥ समिर्ग॥ अथ सर्वनिवर्तनविष्कम्भीरु ६८
रुगवत्तमगदवावः॥ अथासाकंदलयत्तमवलाकिनस्थनावाधिसर्वमदासत्वायथाधरुगवत्तनेक्रिययाकः॥
रुगवानादृशनयथायेनामकलयुगसर्वनिवर्तनविष्कम्भीरुः चक्रवातमदाचक्रवातेयवर्तनाजो मू

विलिचमदाम्बिलिद्योयवर्तनाजोः कालमदाकालोयवर्तनाजोः संसृष्टमदासंसृष्टोयवर्तनाजोः
मृदादययवर्तनाजः॥ अनादलंकः॥ यवर्तनाजः॥ कृत्स्नगतयवर्तनाजः॥ जालिनीमृत्तयवर्तनाजः॥
जः॥ गननृत्तयवर्तनाजः॥ चक्रगंगयवर्तनाजः॥ रुवनययवर्तनाजः॥ मदासमिधययवर्तनाजः॥
दलनयवर्तनाजः॥ अकालदलनयवर्तनाजः॥ अनययवर्तनाजः॥ अकाहुलाहापलननकंसयाः
कलयुगवर्तयवर्तनाजः॥ यलानेवायलननानेवाययमदमालिवाः॥ यवकाटीनेयुगननमदमा
लिर्मन्त्रामयिचकलामयिगलनामयिनायेकिनकंसयाकलयुगगलायिर्तुनउकलयुगावलाकिनः॥

ॐ
५

माधिरिः समन्तागताः न यथायेनामसर्वानिवप्रधाविष्कसिन्कृच्छुडानामनथागताः र्दसमा
कृमूलाकाकउदयादिविद्यावनसयत्रः ॥ सगताः कविदन्तनः पुत्रषदमासायथिः ॥ अस्मादेवा
ना ॥ मन्त्राना ॥ वहाहगवा न नकाय समयनादंवाधिसत्वरुगा ॥ रुवः न दान स्यातथागनस्ययत्रना
मन्त्रिदृगमवलाकिनं नृपस्यगुणाहावना ॥ नाः समन्तरुडादिरिवाधिसत्वेदृणं समाधिविदं गे
मयोदृष ॥ यदा समन्तरुडावाधिसत्वा मदासत्वावडां कर्णनाम समाधिं समायदः न दावलाकिनं नृप
यावाधिसत्वा मदासत्वाः विकिनं नृपनाम समाधिं समायदः या समन्तरुडावाधिसत्वा मदासत्वावडां

६१

वत्तावनं नाम समाधिं समायदः न दावलाकिनं नृपयावाधिसत्वा मदासत्वाः सूर्यवत्तावनं नाम स
माधिं समायदः यदा समन्तरुडावाधिसत्वा मदासत्वाः विकिनं नाम समाधिं समायदः न दावलाकि
नं नृपयावाधिसत्वा मदासत्वाः गगलगा ॐ नम समाधिं समायदः यदा समन्तरुडावाधिसत्वा मदा
सत्वाः जाकालकवत्ताम समाधिं समायदः न दावलाकिनं नृपयावाधिसत्वा मदासत्वाः वडां कर्णना
म समाधिं समायदः यदा समन्तरुडावाधिसत्वा मदासत्वाः ॐ नृपनाम समाधिं समायदः न दाः
वलाकिनं नृपयावाधिसत्वा मदासत्वाः ॥ सागनगमूर्तं नाम समाधिं समायदः यदा समन्तरुडावाधिसत्वा

नवहोमं नविद्युः ययनदा नगमयुक्ता नानेकर्मयुक्ता यमागयिरुद्यानकाः सुप्रहदकाः
 सुधगनस्यदुष्विह नृधिनात्यादकाः दृष्टानां यायनगानां सत्त्वानां नदयिका ननु वृद्धं मदायाः
 नसुगुनत्वं नाजं याययानिमाकृत्तं नृगः ॥ ७ ॥ यथ सर्वनिव नदीविक्रमो रगवत्तम नदवाचः ॥ ८ ॥
 थं जानामादं रगवका नृगु वृद्धं मदायानं सुगुनत्वं नाजं सर्वयाययानिमाकृत्तं नृगं ॥ ९ ॥ रगवानादः
 ॐ क्रिकल ययुस्य नोदके लायाष्टाष्टिः ॥ १० ॥ मय्युक्ते मलनिर्मगीत्येकलिमोः ॥ ११ ॥ नदिमयायि
 संकलिमोः ॥ १२ ॥ यथायाद्युनवम् नीलवम् मन्गुगुनिः ॥ १३ ॥ यथानिलवम् याद्युनमन्गुगुनिः ॥ १४ ॥ यथा

२३

पुनवम् नीलमन्गुगुनिः ॥ १५ ॥ सचयायनासिनिवदुष्वः ॥ १६ ॥ यच्च नीलवम् याद्युनमन्गुगुनिः ॥ १७ ॥ सव
 धमनासिनिवदुष्वः ॥ १८ ॥ प्रवमवकुलयुगायंका नृगु वृद्धं मदायानसुगुनत्वं नाजं सर्वयायानिनिदि
 दानिः ॥ १९ ॥ सुद्विगास सत्त्वाहविद्यानिः ॥ २० ॥ पुक्कलावकुत्तं ॥ २१ ॥ नयथायिनाम सर्वनिव नदीविक्रमो रगवत्तम
 र्थाकालसमयगुणवनस्यनयः ॥ २२ ॥ सर्वमनीलग्नारुवादिः ॥ २३ ॥ यथं मन्गुगुनामनागनाजाउक्तिनरुग
 वनादवनीर्यसर्वानिगानिगुणगुलोषधिवनस्यत्यादेददनिः ॥ २४ ॥ प्रवमवकुलयुगायंका नृगु वृद्धं म
 दायानसुगुनत्वं नाजं ॥ २५ ॥ नचनकुलमृगपृथगुना ॥ २६ ॥ निरुवायिनद्याः ॥ २७ ॥ नरेवार्हकाः ॥

वाधिसत्वाः० वदुष्याः॥ नं वांचमलनकालसमयदादणनथागनाउयसंकुम्याशसयनि
 ० माहेषीः० केलयुगुतयाकात्रुवुदमहायानसूत्रतत्राजः० एतल्लयायनत्रवसंसात्रिः
 सिः० युनत्रवजागेऊनोमत्रवांयन्यामिः० नचषुपियाहेमत्रवसंयुथागावियथागरुवातेः० गामिः
 थासितेकलयुगुसुखावनीलाकधाउमामिगाहस्यनथागनसकागमदुर्ममनूयामिः० चवंक
 लयुगुनवीसत्वानांसुखमत्रवहविद्यानिज्जुथवलाकिगस्थथावाधिसत्वामहासत्वरुगवनः० या
 दानिप्रसारिविदित्वाचकारंयुकातः॥ ज्जुथसर्वानिवनवाविष्करीरूषीरावनचवालिगः० यतदव

ॐ

२८

नागयकगधर्वासुनगत्रुकिन्नमहात्रगमनूयामनूयाः० सर्वेनयुकाकागदायूषांनानदाहग
 वनमनदवाचनमादणयहुहगवनस्यकंगिकासम्वनः॥ एगवानादाः॥ यारिकवउयसंयदालवः
 मिच्छुकिः० नयुथमनत्रंगत्वानानावासंवावलाकायिनवांवावनाययित्वाहिकुदाभाभावायिवोनेः० पुद्वा
 निरुदकनानावासंनवनगुनानावासरलीनिमंविशकनवाआनयुमावस्तुनंमंविशगः० यत्रिपुद्वाक
 वंरुदकनानावासं० ज्जुदयवसम्यदाहवाहिकुदाभावा॥ एगवानादाः॥ दूः० नीलनारिनां नीलवगांदकिद्याया
 नांसधज्जवासानदाहगव्याः॥ नवह्मयिचउथनवाकनह्मयिदागवाः॥ केवदुनारिकवदूः० नीलनारि

ॐ

[illegible]

३५

[illegible]

नगमनूष्ठाः प्रकृताः ॥ ॐ ॥ ॥ दमवाचरुगवावाहमनासुचवाधिसत्तामदास
 त्वाः सावसर्वायोगियषसदवमानवासेनगनूतगधवशलाकारुगवकाहाविमसयनद
 त्रिनि ॥ ॐ ॥ ॥ जयकावतुवादेनाममलायानसुगुनलवाजंममाकं ॥ ॐ ॥ ॥
 ॥ यधमादउयुलवाहउगवाकथागनः सुददरुवाधयानेप्राधयववा
 दीमदागुमलः ॥ ॥ दयधर्मयंयुवनमदायानयायिनयनमायागकः यनमधार्मिकः
 धावायामदामानेपुमयादिमगंयात्रवातालीयदरुयुधंनहवगावायाधाय
 केने

सकलसत्त्वतालाइरुनसमाद्यंवाधियदंयायुयामुः ॐ ॥ ॥
 ॥ यथाइमु ॥ समन ५२ उमिल्लाडुकादिनियानिधः रुमनरुगुः वक्रजागजधकदीमरु
 ॥ ॥ जदिगवालसुः सिंदनासिगनसविगुः केयनासिगनचनुमासिः गमिदिनात्रि
 नंमंयुनमिनिः ॥ ॐ ॥ ॥ यथादुः गधालिगिनः लखकनासिदावनः जदिदुदंवाधः
 मसुद्धवासधनीयगुलीरुनं ॥

52

52

152

52



